राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार, 16 अक्टूबर 2022 वर्ष–5,अंक–260 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिल्डर टीनू संघवी समेत अन्य कारोबारियों के ठिकानों पर आयकर के छापे

टीनू संघवी का जवाहर मार्ग पर संघवी कंस्ट्रक्शन का ऑफिस है। उनके अलावा अन्य बिल्डर्स के दफ्तर, निवास समेत अन्य ठिकानों पर भी कार्रवाई की जा रही है।

इंदौर। शहर में आयकर विभाग व ईडी ने शनिवार सुबह बड़ी कार्रवाई की है। दोनों टीमों ने बिल्डर टीनू संघवी समेत अन्य बिल्डरों के ठिकानों पर एकसाथ छापेमारी की है। फिलहाल कार्रवाई जारी है और दस्तावेजों की पड़ताल की जा रही है। आयकर विभाग और ईडी की टीम ने सुबह आठ बजे से शहर के बिल्डरों के ठिकानों पर कार्रवाई शुरू की। टीनू संघवी का जवाहर मार्ग पर संघवी कंस्ट्रक्शन का ऑफिस है। उनके अलावा अन्य बिल्डर्स के दफ्तर, निवास समेत अन्य ठिकानों पर भी कार्रवाई की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि विभाग द्वारा पिछले दिनों भी इंदौर की रियल स्टेट फर्म के विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी की गई थी। दिल्ली, लखनऊ, गुड़गांव, चंडीगढ़ सहित देशभर में कंपनी के आफिस व अधिकारियों के घर सहित 45 ठिकानों पर एक साथ डाली गई इस रेड में आयकर विभाग ने करोडों रुपये की राशि जब्त की थी। इस दौरान एक शीर्ष अधिकारी के घर से 1.5 करोड की राशि जब्त की गई थी।

'हिमाचल नरेन्द्र मोदी का दूसरा घर', विकास परियोजनाओं का धड़ाधड़ ऐलान

शिमला। हिमाचल प्रदेश में 12 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने हैं। इसे लेकर सभी राजनीतिक दलों ने अपनी कमर कस ली है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) इस पहाड़ी राज्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तिगत संबंधों को सामने रख रही है। कहा जा रहा है कि हिमाचल में भाजपा पीएम मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ रही है। साथ ही बीते 5 साल में राज्य के लिए जो वित्तीय सहायता मुहैया कराई गई है, उसका भी खूब जिक्र हो रहा है। बीजेपी की ओर से हिमाचल से जुड़े हैं, हिमाचल के लिए खड़े हैं जैसे नारे दिए जा रहे हैं। इसके जरिए भाजपा की योजना केंद्र सरकार की ओर से मंजूर विकास कार्यों और सोशल स्कीम्स को प्रोजेक्ट करने की है। साथ ही राज्य में बुनियादी ढांचे की कमी की समस्याओं को दूर करने के लिए प्रधानमंत्री के प्रयासों को सामने लाया जा रहा है।

मोदी ने 1990 के दशक में हिमाचल में बताया समय

भाजपा से जुड़े एक पदाधिकारी ने बताया, प्रधानमंत्री ने 1990 के दशक में हिमाचल में काफी समय बिताया, जब वह राज्य के प्रभारी थे। उन्हें यहां के लोगों की समस्याएं मालूम हैं। पीएम मोदी राज्य के विकास और लोगों की प्रगति सुनिश्चित करने के लिए व्यक्तिगत रूप से आगे आए। यह राज्य की जनता को भी पता है। भाजपा नेता ने बताया, एक आयोजक के रूप में मोदी के अनुभव ने पहाड़ी राज्य में पार्टी की उपस्थिति को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। साथ ही 1998 में राज्य के चुनावों में पार्टी की सफलता में भी बड़ा योगदान दिया। भाजपा और कांग्रेस दोनों ने उस साल के चुनावों में 68 में से 31-31 सीटें जीती थीं, लेकिन बीजेपी ने हिमाचल विकास कांग्रेस से समर्थन से राज्य में सरकार बनाई।

पीएम मोदी ने हिमाचल को बताया दूसरा घर-बीजेपी लीडर ने कहा कि शिमला में पार्टी कार्यालय भी उसी समय बनाया गया था और इमारत में एक पट्टिका पर प्रधानमंत्री का नाम अंकित है। इस महीने की शुरुआत में राज्य में एक रैली में मोदी ने हिमाचल को अपना दूसरा घर (पहला गुजरात) बताया था। हाल के दिनों में पीएम मोदी ने हिमाचल में विकास से जुड़ी कई योजनाओं का उद्घाटन या फिर शिलान्यास किया है।

पीएम मोदी ने बीते गुरुवार को हिमाचल प्रदेश में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तीसरे चरण की शुरुआत की और कहा कि सरकार राज्य के हर गांव को सड़क से जोड़ना चाहती है। पीएमजीएसवाई-3 के तहत राज्य में 3,125 किलोमीटर लंबी ग्रामीण सड़कों का निर्माण किया जाएगा। मोदी ने चंबा में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार ने हिमाचल प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में पिछले आठ साल में 12,000 किलोमीटर लंबी सड़कें बनाई हैं।

हाल के दिनों में कई विकास कार्यों का उद्घाटन-प्रधानमंत्री ने कहा कि हर घर जल योजना के तहत लाहौल-स्पीति और किन्नौर के सभी आदिवासी इलाकों में शत-प्रतिशत नल जल आपूर्ति उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल-इंजन सरकार ने हर घर में घरेलू गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया है। उन्होंने हट्टी समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह कदम दर्शाता है कि इस सरकार को आदिवासियों की परवाह है।

मोदी ने 2 पनबिजली परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी, जिनमें 48 मेगावॉट की चांजू-3 और 30 मेगावॉट की देवथल चंजू पनबिजली परियोजना शामिल है। दोनों पनबिजली परियोजनाओं से सालाना 270 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन होगा। इनके जरिए हिमाचल प्रदेश को लगभग 110 करोड़ रुपये का वार्षिक राजस्व अर्जित होने की उम्मीद है। इससे पहले, मोदी ने हिमचाल प्रदेश के ऊना जिले में नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई।

ऐसे में साफ है कि बीजेपी पीएम मोदी के चेहरे को आगे रखकर हिमाचल चुनाव में उतरी है और उनके राज्य से जुड़ाव को मतदाताओं तक पहुंचाने में लगी है। लेकिन भाजपा के सामने चुनौती रिवाज बदलने की है। दरअसल, यहां पर बीते तीन दशकों से किसी पार्टी ने अपनी सत्ता बरकरार नहीं रखी है। अभी राज्य में भाजपा सत्ता में है, इसलिए उसे अपनी सरकार बरकरार रखने के लिए इस कड़ी को तोड़ना जरूरी है।

देश में बनेंगे 112 मेडिकल कॉलेज

10 लाख से ज्यादा आबादी वाले जिलों में होंगे तैयार, 36 हजार करोड़ खर्च

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के लिए बड़ा फैसला किया है। मंत्रालय ने 4 साल के भीतर देश के 112 जिलों में मेडिकल कॉलेज बनाने की योजना तैयार की है। ये कॉलेज उन्हीं जिलों में बनाए जाएंगे, जहां आबादी 10 लाख से ज्यादा है और अभी कोई सरकारी या निजी मेडिकल कॉलेज नहीं है।

36 हजार करोड़ रुपए होंगे खर्च

सरकार का अनुमान है कि 112 कॉलेज बनाने पर कुल 36 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे। बहुत जल्द इस योजना पर वित्त मंत्रालय की मुहर लग सकती है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने देशभर में 112 जिलों की पहचान कर ली है, जहां अभी मेडिकल कॉलेज नहीं है और आबादी 10 लाख से ज्यादा है। ऐसे सबसे ज्यादा 21 जिले मध्यप्रदेश में हैं।

प्रत्येक कॉलेज पर होंगे 325 करोड़ खर्च

नए मेडिकल कॉलेजों पर खर्च होने वाले कुल 36 हजार करोड़ रुपए में से 22 हजार करोड़ रुपए केंद्र देगा। 14 हजार करोड़ रुपए राज्यों को खर्च

करने होंगे। केंद्र 60 प्रतिशत रकम देगा। हालांकि, पूर्वोत्तर के राज्यों और विशेष दर्जा प्राप्त राज्यों में केंद्र 90 प्रतिशत राशि खर्च करेगा। हर मेडिकल कॉलेज के निर्माण पर औसतन 325 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

वित्त मंत्री सीतारमण ने जताया भरोसा, वैश्विक बाधाओं के बावजूद पटरी पर रहेगी भारतीय अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक वित्त समिति की वार्षिक बैठक के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि वैश्विक बाधाओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था पटरी पर बनी रहेगी। निर्मला ने आगे कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था 2022-23 में सात प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है।

भारतीय अर्थव्यवस्था 2022-23 में सात प्रतिशत की दर से बढ़ेगी

सीतारमण ने कहा कि आइएमएफसी की बैठक ऐसे समय पर की जा रही है जब वैश्विक आर्थिक स्थिति नकारात्मक जोखिमों से घिरा हुआ है। सीतारमण ने कहा, वैश्विक बाधाओं के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था सही दिशा में बनी रहेगी और भारतीय अर्थव्यवस्था 2022-23 में सात प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। उन्होंने आइएमएफसी के सदस्यों को बताया कि भारत सरकार ने मुद्रास्फीति प्रबंधन को आगे बढ़ाते हुए विकास की रक्षा के लिए पहल की है।

सीतारमण ने कहा कि भारतीय सरकार ने

देश के विशाल सार्वजनिक वितरण नेटवर्क के माध्यम से पिछले 25 महीनों से 80 करोड़ से अधिक कमजोर परिवारों को मुफ्त खाद्यान्न की उपलब्धता सुनिश्चित की । गरीबों को वित्तीय सेवाएं पहुंचाना सरकार की प्रमुख प्राथमिकता रही है और इसे भारत के डिजिटल पब्लिक गुड इंफ्रास्ट्रक्चर से मदद मिली है। सीतारमण ने कहा, भारत का लेनदेन लागत दुनिया में सबसे कम है।

आइएमएफ में भारत का कोटा सबसे कम-सीतारमण ने कहा कि 15 दिसंबर 2023 तक कोटा की 16वीं सामान्य समीक्षा का समापन मतदान अधिकारों को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। आइएमएफ में भारत का कोटा 2.75 प्रतिशत है। वहीं चीन का कोटा 6.4 फीसदी और अमेरिका का कोटा 17.43 फीसदी है। बता दें कि आइएमएफ में कोटा के आधार पर किसी देश की सब्सक्रिप्शन फीस निर्धारित की जाती है। इसी सब्सक्रिप्शन फीस के आधार पर सदस्य देश का वोटिंग शेयर तक होता है। सीतारमण ने खाद्य असुरक्षा से निपटने में देशों की मदद करने के लिए आईएमएफ की नई फूड शॉक विंडो की पहल का भी स्वागत किया।

सोनाली फोगाट के गुरुग्राम फ्लैट पहुंची सीबीआई जांच एजेंसी ने फ्लैट की तलाशी ली

हिसार। सोनाली मर्डर केस की जांच के लिए सीबीआई ने अब गुरुग्राम में डेरा डाल लिया है। सीबीआई ने गुरुग्राम पहुंचकर सोनाली के उस फ्लैट की तलाशी ली, जहां पर वह अंतिम बार सुधीर सांगवान के साथ ठहरी थी। सीबीआई ने ग्रींस सोसाइटी के टावर नंबर 4 के फ्लैट नंबर 901 में गए, इसे सुधीर सांगवान और सोनाली ने किराए पर लिया हुआ था। इस फ्लैट में रहने के लिए सुधीर सांगवान ने किरायनामा में सोनाली को अपनी पत्नी बताया था। इस फ्लैट में ही सुधीर और सोनाली अंतिम बार रुककर यहीं से गोवा के लिए रवाना हुए थे। इस फ्लैट से गोवा पुलिस ने अपनी जांच में पासपोर्ट भी बरामद किए थे।

5 दिन हिसार में रुकी थी CBI-गुरुग्राम जाने से पहले सीबीआई करीब 5 दिन हिसार में ही रुकी रही। इस दौरान सीबीआई ने सोनाली के पूरे परिवार और बेटी यशोधरा को जांच में शामिल करके बयान दर्ज किए थे। टीम ने सोनाली के परिवार से गुमनाम चिट्ठियां भी ली, जो कि उसके परिवार के पास पहुंची थी। सोनाली के ढंढूर फार्म हाउस पर 6 सदस्यीय टीम ने जानकारी जुटाई थी।

सोनाली फोगाट की 23 अगस्त को गोवा में मर्डर हो गया। उस समय गोवा में उसके साथ उसका पीए सुधीर और सुखविंदर था। सोनाली के परिवार का आरोप है कि सुधीर और सुखविंदर ने उसका मर्डर किया है। सुधीर सोनाली की प्रॉपर्टी हड़पना चाहता है। इसलिए उसने सोनाली को ड्रग्स देकर हत्या की है। सोनाली के भाई रिंकू ने गोवा पुलिस में शिकायत देकर सुधीर सांगवान और सुखविंदर के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज करवाया। सोनाली की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसके शरीर पर चोट के निशान है। इसी रिपोर्ट के आधार पर गोवा पुलिस ने सोनाली के पीए सुधीर सांगवान और उसके साथी सुखविंदर के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया। अब तक इस मामले में रिजोर्ट के मालिक और ड्रग सप्लायर सहित 5 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

100 साल का लंबा इंतजार खत्म, आरआईएमसी कैडेट के रूप में लड़कियों की एंट्री

देहरादून। राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज (आरआईएमसी) के दरवाजे 100 के सफर के बाद आखिरकार लड़कियों के लिए खुल गए। इस कॉलेज के इतिहास में इसके साथ बड़ा बदलाव हो गया। पहली बार आरआईएमसी कैडेट के रूप में लड़कियों को प्रवेश मिला। बालिकाओं के लिए पांच सीटें रिजर्व थीं, लेकिन पहले बैच में फिलहाल सिर्फ दो ही लड़कियां इस बदलाव का प्रतीक बन पाईं। सैन्य क्षेत्र में महिलाओं के लिए कॅरियर के अवसर बढ़ रहे हैं। पहले जहां महिलाओं को शॉर्ट सर्विस कमीशन के रूप में नियुक्ति मिलती थी तो अब पूर्ण कॅरियर की राह खुली है। सेना के लिए बेहतर युवा तराशने वाले संस्थान आरआईएमसी में लड़कियों के प्रवेश की राह भी इस साल खुली। हाल में शुरू हुए सत्र में पांच सीटें रिजर्व करते हुए आवेदन मांगे गए थे। इसके लिए पूरे देशभर से 568 आवेदन प्राप्त हुए थे। इन आवेदनों की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चार लड़कियों का चयन हुआ। पुष्ट सूत्रों ने बताया कि

दो लड़कियां किसी कारणवश ज्वाइन नहीं कर पाईं। बाकी दो चयनित लड़कियों ने ज्वाइनिंग कर ली है। कैडेट के रूप में लड़कियों के पहुंचते ही इस संस्थान को भी सह-शिक्षा संस्थान के रूप में तैयार करने के लिए कई बदलाव किए गए हैं। कुछ पर काम जारी है।

यहां पहुंचीं दो छात्राओं में एक हरियाणा की निवासी बताई जा रही है। आठवीं में दाखिले की प्रक्रियाहर छह महीने में लगभग 25 कैडेटों को यहां भर्ती किया जाता है। आवेदक की आयु साढ़े 11 साल से 13 वर्ष तय है। प्रवेश आठवीं में ही लिए जाते हैं। शर्त यह है कि उम्मीदवार को सातवीं में पढ़ना चाहिए या किसी मान्यता प्राप्त स्कूल से सातवीं उत्तीर्ण होना चाहिए। आरआईएमसी से पास होने वाले 90 फीसदी तक कैडेट एनडीए परीक्षा पास कर जाते हैं।

एनडीए में लड़कियों के शामिल होने के बाद बदलाव-राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के दरवाजे लड़कियों के खोले जाने के बाद यह बदलाव आया है। सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश के तहत आरआईएमसी में लड़कियों को प्रवेश देने का निर्णय लिया गया। बीते मार्च में हुए शताब्दी स्थापना दिवस पर तत्कालीन कमांडेंट ने कहा था कि लड़कियों को प्रवेश देने के लिए सीटें रखी गई हैं। जनवरी में चुने जाने वाले बैच में इनकी संख्या और बढ़ सकती है।

जज का काम लोगों को खुश करना नहीं- हेमंत गुप्ता

नई दिल्ली। हिजाब मामले में फैसला सुनाने वाले जस्टिस हेमंत गुप्ता ने सुप्रीम कोर्ट को अलविदा कह दिया है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि जज का काम लोगों को खुश करने का नहीं, बल्कि कानून के आधार पर मामलों का फैसला करने होता है। कर्नाटक हिजाब प्रतिबंध मामले में शीर्ष न्यायालय के दो जजों की बेंच की राय अलग-अलग थी। जस्टिस गुप्ता ने कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया था। सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने शिक्षण संस्थानों में हिजाब पर प्रतिबंध हटान से इनकार कर दिया था। बहरहाल, इस मामले पर अभी शीर्ष न्यायालय का अंतिम फैसला आना बाकी है। जबकि, जस्टिस सुधांशु धूलिया ने अपीलों को स्वीकार किया था।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने विदाई भाषण दिया। उन्होंने कहा, एक जज लोगों को खुश नहीं कर सकता... यह काम उसका नहीं है। वह भूमिका सार्वजनिक जीवन में दूसरों को दी गई है। कोई व्यक्ति लोगों को खुश करने के इरादे से अपना काम नहीं कर सकता। मैं अदालत में कठोर था मुखर था। न्यायमूर्ति गुप्ता ने कहा कि शीर्ष अदालत में रहना व्यक्तिगत रूप से समृद्ध अनुभव था और उन्हें हमेशा सभी वकीलों से सहायता मिली। उन्हें दो नवंबर, 2018 को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था।

चिता के सामने खड़ा परिवार कर रहा था अंतिम संस्कार की तैयारी, पीछे से

आकर जिंदा खड़ा हो गया 'मृतक', हड़कंप

न्यायमूर्ति गुप्ता ने अदालत में मौजूद अधिवक्ताओं से कहा, व्यक्तिगत रूप से बोल रहा हूं, मैंने लगभग 20 वर्षों की अपनी पारी का भरपूर आनंद लिया। प्रत्येक दिन मेरे लिए सीखने वाला था और आप सभी ने सीखने की प्रक्रिया में मेरी मदद की है। बहुत-बहुत धन्यवाद।% अधिवक्ता न्यायमूर्ति गुप्ता को उनके अंतिम कार्यदिवस पर विदाई देने के लिए अदालत कक्ष में मौजूद थे।

न्यायमूर्ति गुप्ता के सेवानिवृत्त होने से शीर्ष अदालत में सेवारत न्यायाधीशों की संख्या घटकर 28 हो जाएगी, जबकि सीजेआई सहित न्यायाधीशों के 34 पद स्वीकृत हैं। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, न्यायमूर्ति गुप्ता ने कर्नाटक हिजाब प्रतिबंध मामले में फैसले सहित कई महत्वपूर्ण निर्णय दिए।

सीजेआई ने की तारीफ

न्यायपालिका में न्यायमूर्ति गुप्ता के योगदान की प्रशंसा करते हुए सीजेआई ने कहा कि वह लगभग 12-13 साल पहले उनसे पहली बार मिले थे और तब से उन्हें करीब से जानते हैं। शुरुआत में सीजेआई ने कहा, मुझे यह जरूर कहना चाहिए। आज की इस पीठ में उम्र के मामले में दो वरिष्ठतम न्यायाधीश मौजूद हैं। सीजेआई ललित आठ नवंबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। न्यायमूर्ति गुप्ता ने कहा, संयोग से शीर्ष अदालत में मेरा पहला दिन सीजेआई के कक्ष में था और मेरा आखिरी दिन भी इसी कक्ष में है। मुकुल रोहतगी और अभिषेक मनु सिंघवी सहित कई वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने न्यायमूर्ति गुप्ता के अंतिम कार्यदिवस पर उन्हें शुभकामनाएं दीं। रोहतगी ने कहा, बार की ओर से हम आपकी दूसरी पारी के सुखद और सफल रहने की कामना करते हैं। 17 अक्टूबर 1957 को जन्मे न्यायमूर्ति गुप्ता ने जुलाई 1980 में एक वकील के रूप में नामांकन किया। उन्होंने 1997 से 1999 तक पंजाब के अतिरिक्त महाधिवक्ता के रूप में भी काम किया। उन्हें दो जुलाई 2002 को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। उन्होंने आठ फरवरी, 2016 को पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदभार संभाला और 29 अक्टूबर, 2016 को उसी उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किये गये। न्यायमूर्ति गुप्ता को 18 मार्च, 2017 को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

धार्मिक संगठनों के ठेकेदार तो इस तरह के खिलाफ की गई उनकी अतिरंजित टिप्पणियां उनका जनाधार बढ़ाएंगी। लेकिन कहीं न कहीं वे सामाजिक समरसता को पलीता लगा रहे होते हैं।

इंसानियत की बलि

वैज्ञानिक चेतना व सख्त कानून रोकेंगे/ वह घटना हमारी 21वीं सदी की तमाम उपलब्धियों व साक्षरता के लक्ष्यों पर पानी फेरती है, जिसमें अमीर बनने की लालसा लिये एक दंपति ने अपराधी तांत्रिक की मदद से दो महिलाओं की बलि दे दी। इस जघन्य अपराध ने देश में सबसे ऊंची साक्षरता दर वाले केरल को ही शर्मसार नहीं किया, पूरे देश को असहज स्थिति में डाल दिया। हालांकि वास्तविक तथ्य व्यापक जांच के बाद सामने आएंगे, लेकिन जो पिशाची कृत्य इन अपराधियों द्वारा किये गये, उनसे हर इंसान की रूह कांपती है। कई अपराधों में वांछित एक यौन अपराधी कैसे सार्वजनिक रूप से विज्ञापन देकर तंत्र-मंत्र से अमीरी लाने का भरोसा देता है और कैसा वो दंपति था जिसने मान लिया कि नरबलि से अमीरी आ सकती है। बलि चढ़ाई गई महिलाओं के शरीर से क्रूरता के किस्से हर किसी संवेदनशील इंसान को झकझोरते हैं। यदि आधुनिक तकनीक की मदद न मिलती तो यह अपराध कभी भी सामने न आ पाता। मोबाइल फोन व सीसीटीवी कैमरे की मदद से यह सत्य उजागर हो सका कि मानव स्वार्थों के लिये किस हद तक पतनशील हो सकता है। एक वृद्धा के यौन उत्पीड़न के आरोप में जेल की सजा काट चुका कथित तांत्रिक अमीरी के ख्वाब देख रहे दंपति को इस हद तक भ्रमित कर गया कि एक के बाद दूसरी महिला की बलि देने के लिये तैयार कर लिया। एक समय था आजादी से पहले भारत की छवि सांप-सपेरों व तंत्र-मंत्र के देश के रूप में बनायी जाती थी। आजादी के बाद देश की विकास यात्रा ने इस मिथ को झुठलाया। लेकिन आये दिन होने वाली ऐसी घटनाएं हमारी तमाम उपलब्धियों पर आंच लाती हैं। पिछले दिनों दिल्ली में भी एक बच्चे की बलि देने की घटना ने देश को उद्वेलित किया था। आखिर वामपंथी सरकार वाले प्रगतिशील केरल में तंत्र-मंत्र की ऐसी वीभत्स घटनाओं के लिये कोई सख्त कानून क्यों नहीं बन पाया। बताया जाता है कि राज्य में बड़ी संख्या में अंधविश्वास व तंत्र-मंत्र की घटनाओं को रोकने के लिये राज्य विधि आयोग ने ड्राफ्ट बिल 2019 में गृह मंत्रालय को भेजा था। यह वीभत्स घटना कई सवालों को जन्म देती है। आखिर क्यों कोई व्यक्ति सोच लेता है कि धन-संपदा अर्जित करने का शार्टकट तंत्र-मंत्र हो सकता है। आखिर क्यों साक्षर व्यक्ति की भी सोलहवीं सदी की सोच नहीं बदल पा रही है। कैसे फर्जी तांत्रिक समाज में खुले प्रचारतंत्र का सहारा लेकर जघन्य अपराधों को अंजाम दे देते हैं और पुलिस-प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं मिलती। कहीं न कहीं अंधविश्वास का विस्तार समाज में एक तबके की दकियानूसी सोच व अज्ञानता का ही परिचायक है। पहले यह धारणा रही है कि पिछड़े व शिक्षा के प्रकाश से दूर इलाकों में ऐसी घटनाएं अज्ञानता के चलते सामने आती हैं,लेकिन जब देश के सबसे साक्षर राज्य केरल में ऐसी घटनाएं होती हैं, तो तमाम तरह के यक्ष प्रश्न सामने खड़े हो जाते हैं। इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाने के लिये जहां समाज में वैज्ञानिक चेतना के प्रसार-प्रचार की जरूरत है, वहीं अपराध को रोकने के लिये कड़े कानूनों का भी प्रावधान जरूरी है। समाज में ऐसी स्थिति बनाने की जरूरत है कि कोई तंत्र-मंत्र का सार्वजनिक प्रचार करके भोले-भाले लोगों को शिकार न बना सके। विडंबना है कि इन हादसों का शिकार तमाम ऐसे भोले-भाले लोग होते हैं जिनका कोई कसूर नहीं होता। कसूर होता है तो यह कि वे किसी के झांसे में आसानी से आ जाते हैं। सरकार को सूचना माध्यमों के जरिये ऐसे पाखंडी तांत्रिकों की कारगुजारियों पर लगाम लगाने के लिये राष्ट्रव्यापी मुहिम चलाने की जरूरत है। निस्संदेह, अज्ञान और कूपमंडूकता की स्थिति को दूर करने के लिये समाज के प्रगतिशील संगठनों को आगे आने की दरकार है। जिसके लिये सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का बखूबी उपयोग किया जा सकता है। शैक्षणिक संस्थानों में प्रगतिशील वैज्ञानिक सोच विकसित करनी चाहिए। राष्ट्रीय सेवा योजना व राष्ट्रीय कैडिट कोर के युवाओं के जरिये ग्रामीण व पिछड़े इलाकों में जागरूकता अभियान चलाना सार्थक परिणाम दे सकता है।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

मेहमान, 'मैं कल जा रहा हूं। आपको कुछ बुरा तो लग रहा होगा।'
मेजबान, 'जी हां, लग तो रहा है। मैंने सोचा था कि आप आज ही चले जाएंगे।'

□ □ □

अध्यापक, 'कारण और परिणाम का बहुत गहरा संबंध हैं और यह तो सब जानते ही हैं कि बगैर मुर्गी के अंडा पैदा नहीं कर सकता।'
बंटू (बात को काटते हुए), 'मेरे पिताजी कर सकते हैं।'
अध्यापक, 'कैसे?'
बंटू, 'उन्होंने जो बतख जो पाल रखी हैं।'

□ □ □

नौकर (मालिक से), 'अब मैं यहां काम नहीं करूंगा। मुझे यहां ऐसा खाना मिलता है जिस कुत्ते भी नहीं खा सकते।'
मालिक, 'ठीक है, अब से तुम्हें ऐसा खाना दिया जाएगा जिसे कुत्ते खा सकते हों।'

□ □ □

एक मूर्ख किसी भी हंसने वाली बात पर तीन बार हंसता था। किसी ने कारण पूछा तो वह बोला, 'पहली बार मैं आप हंसता हूं। दूसरी बार तब हंसता हूं जब बात मेरी समझ में आ जाती है और तीसरी बार तब हंसता हूं जब मुझे अपनी बेवकूफी की याद आती है।'

विश्व खाद्य दिवस

लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

'विश्व खाद्य दिवस' प्रत्येक वर्ष '16 अक्टूबर' को मनाया जाता है। यह दिवस विश्व में लोगों को खाद्यान्न की महत्ता समझने और उसकी बर्बादी रोकने के लिए प्रेरित करता है। शुरुआत 1980 में शुरुआत की गई थी

उद्देश्य

इस दिवस का मुख्य उद्देश्य खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने के लिए विकासशील देशों के मध्य तकनीकी एवं वित्तीय सहयोग बढ़ाना और विकसित देशों से आधुनिक तकनीकी मदद उपलब्ध कराना है। 'संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन' के अनुसार 2002 की तुलना में खाद्यान्नों की कीमतों में 140 प्रतिशत की भारी-भरकम वृद्धि हुई है। इसकी वजह से दिसम्बर 2007 से 40 देशो को खाद्यान्न संकट का सामना करना पड़ रहा है। विश्व खाद्य दिवस प्रत्येक वर्ष '16 अक्टूबर' को मनाया जाता है। इस दिवस को मनाते हुए बत्तीस वर्ष हो चुके हैं, लेकिन दुनिया भर में भूखे पेट सोने वालों की संख्या में कमी नहीं आई है। यह संख्या आज भी तेज़ी से बढती जा रही है। विश्व में आज भी कई लोग ऐसे हैं, जो भूखमरी से जूझ रहे हैं। इस मामले में विकासशील या विकसित देशों में किसी तरह का कोई फ़र्क़ नहीं है। विश्व की आबादी वर्ष 2050 तक नौ अरब होने का अनुमान लगाया जा रहा है और इसमें क़रीब 80 फीसदी लोग विकासशील देशों में रहेंगे। ऐसे में किस तरह खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, यह एक बड़ा प्रश्न है। दुनिया में एक तरफ़ तो ऐसे लोग हैं, जिनके घर में खाना खूब बर्बाद होता है और फेंक दिया जाता है। वहीं दूसरी ओर ऐसे लोगों की भी कमी नहीं है, जिन्हें एक समय का भोजन भी नहीं मिल पाता। खाद्यान्न की इसी समस्या को देखते हुए '16 अक्टूबर' को हर साल 'विश्व खाद्य दिवस' मनाने की घोषणा की गई थी।

शुरुआत

विश्व समाज के संतुलित विकास के लिए यह आवश्यक है कि मनुष्य का सर्वांगीण विकास हो। विश्व में लोगों को संतुलित भोजन की इतनी मात्रा मिले कि वे कुपोषण के दायरे से बाहर निकल कर एक स्वस्थ जीवन जी सकें। लोगों को संतुलित भोजन मिल सके, इसके लिए आवश्यक है कि विश्व में खाद्यान्न का उत्पादन भी पर्याप्त मात्रा में हो। दिन पर दिन विश्व की जनसंख्या में हो रही वृद्धि और खाद्य पदार्थों के सीमित भंडार को देखते हुए खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने की ज़रूरत महसूस की गई। इसे ध्यान में रखते हुए संयुक्त राष्ट्र ने 16 अक्टूबर, 1945 को रोम में 'खाद्य एवं कृषि संगठन' (एफएओ) की स्थापना की। संसार में व्याप्त भुखमरी के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने एवं इसे खत्म करने के लिए 1980 से 16 अक्टूबर को 'विश्व खाद्य दिवस' का आयोजन शुरू किया गया।[1]

उद्देश्य

'विश्व खाद्य दिवस' का मुख्य उद्देश्य दुनिया से भुखमरी को खत्म करना है। आज भी विश्व में करोड़ों लोग भुखमरी के शिकार हैं। वर्तमान समय में यह बहुत आवश्यक हो गया है कि विश्व से भुखमरी मिटाने के लिए अत्याधुनिक तरीके से खेती की जाये। 'विश्व खाद्य दिवस' का उद्देश्य खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने के लिए विकासशील देशों के मध्य तकनीकी एवं वित्तीय सहयोग बढ़ाना और विकसित देशों से आधुनिक तकनीकी मदद उपलब्ध कराना है। संयुक्त राष्ट्र की तमाम संस्थाओं द्वारा विकासशील देशों में ग़रीबी एवं भूखमरी से निपटने के लिए तमाम प्रयास भी शुरू किए गए हैं। ख़ासतौर पर अफ़्रीका महाद्वीप के रवांडा, बुरुंडी, नाइजीरिया, सेनेगल, सोमालिया और इरीट्रिया आदि देशों में जहाँ यह समस्या काफ़ी भयावह है।

तेज़ी से बढ़ती भुखमरी

दुनिया भर में भूखे पेट सोने वालों की संख्या तेज़ी से बढती जा रही है। 'संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन' के अनुसार 2002 की तुलना में खाद्यान्नों की कीमतों में 140 प्रतिशत की भारी-भरकम वृद्धि हुई है। इसकी वजह से दिसम्बर 2007 से 40 देशो को खाद्यान्न संकट का सामना करना पड़ रहा है। हैती और मैक्सिको में लाखों लोग इसके ख़िलाफ़ सड़कों पर उतर आए। वहीं कई देशों में दंगे और लूटपाट की घटनाएँ भी हुई। संयुक्त राष्ट्र संघ ने इन देशों में खाद्य संकट के कारण सामाजिक और राजनितिक उथल-पुथल यानी 'युद्ध जैसी स्थिति' पैदा होने की चेतावनी दी है। इंडोनेशिया, आइवरी कोस्ट, सेनेगल, फिलिपींस, मोरोक्को जैसे देशों में स्थिति ख़राब है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में भी दाल, खाद्य तेल और चीनी की भारी कमी 2011 के बाद पैदा हो जायेगी। अर्जुन सेन गुप्ता कमिटी के अनुसार देश में 77 प्रतिशत फीसदी लोग 20 रुपये रोजाना से कम में अपना गुज़ारा करते हैं। सोचा जा सकता है की 15 रुपये किलो आटा और 18 रुपये किलो चावल भी इस तबके के लिए काफ़ी महंगा है। जहाँ एक तरफ़ स्थिति इतनी भयंकर है, वहीं कुछ तथ्य भुखमरी को मुँह चिड़ाते नज़र आते हैं। 'गार्जियन' में छपी विश्व बैंक की एक गोपनीय रिपोर्ट के अनुसार अमीर देशों द्वारा जैव ईंधन के इस्तेमाल से खाद्य के दामों में 75 फीसदी की वृद्धि हुई है। मक्का से एथेनोल बनाने वाले अमेरिका ने पिछले तीन साल के दौरान दुनिया के कुल मक्का उत्पादन का 75 प्रतिशत हिस्सा हड़प कर लिया। कनाडा में कीमत कम होने की वजह से 1 ,50 ,000 सूअरों को मारने पर 5 करोड़ डॉलर खर्च किए गए। भारत की सरकारी व्यवस्था भी पीछे नहीं है। 'भारतीय खाद्य निगम' ने माना है की उसके गोदामों में हर साल 50 करोड़ रुपये का 10 .40 लाख मीट्रिक तन अनाज ख़राब हो जाता है। यह अनाज हर साल सवा करोड़ लोगों की भूख मिटा सकता है! दुनिया में खाने-पीने की कमी नहीं, बल्कि उनके सही बँटवारे की कमी है।

भारत में खाद्यान्न की समस्या

खाद्यान्न की कमी ने विश्व के सर्वोच्च संगठनों और सरकारों को भी सोचने पर विवश कर दिया है। भारत में हाल ही में 'खाद्य सुरक्षा बिल' लाया गया है, लेकिन इस बिल का पास होना या ना होना इसकी सफलता नहीं है। सब जानते हैं कि भारत में खाद्यान्न की कमी कोई ख़ास मुद्दा नहीं है, बल्कि सार्वजनिक आपूर्ति प्रणाली और खाद्यान्न भंडारण की समस्या असली समस्या है। भारत में लाखों टन अनाज खुले में सड़ रहा है। यह सब ऐसे समय हो रहा है, जब करोड़ों लोग भूखे पेट सो रहे हैं और छह साल से छोटे बच्चों में से 47 फीसदी कुपोषण के शिकार हैं। ऐसा नहीं है कि भारत में खाद्य भंडारण के लिए कोई कानून नहीं है। 1979 में 'खाद्यान्न बचाओ' कार्यक्रम शुरू किया गया था। इसके तहत किसानों में जागरूकता पैदा करने और उन्हें सस्ते दामों पर भंडारण के लिए टंकियाँ उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन इसके बावजूद आज भी लाखों टन अनाज बर्बाद होता है।

बढ़ती आबादी और भुखमरी

सवा अरब आबादी वाले भारत जैसे देश में, जहाँ सरकारी आकलनों के अनुसार 32 करोड़ लोग ग़रीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। एफ़एओ के अनुसार, भारत में 2009 में 23 करोड़ 10 लाख लोग चरम भूखमरी का सामना कर रहे थे। आज भी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। देश में खाद्यान्न का उत्पादन बड़े स्तर पर होने के बावजूद बहुत बड़ी आबादी भुखमरी का संकट झेल रही है। तेज़ीसे आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत का विश्व भुखमरी सूचकांक में 88 देशों में 66वाँ स्थान है। भारत में राज्य स्तर पर तो और भी व्यापक असमानता देखने को मिलती है। झारखण्ड, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और राजस्थान आदि में भूख एवं कुपोषण से पीड़ित लोगों की संख्या अन्य भागों से अधिक है। आबादी बढ़ने एवं खाद्यान्न की स्थिर पैदावार के कारण देश में प्रति व्यक्ति अनाज की खपत घटती जा रही है। यूनीसेफ की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में प्रतिदिन 5000 बच्चे कुपोषण के शिकार होते जा रहे हैं। जन वितरण प्रणाली के माध्यम से ग़रीबों को मिलने वाला अनाज भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहा है। कृषि क्षेत्र लगातार सरकारी उपेक्षा का शिकार हो रहा है। आज देश की अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी मात्र 14 फीसदी है और इस पर 55 फीसदी कामगारों की आजीविका चलती है। आज कृषि क्षेत्र कभी एक फीसदी, दो फीसदी या फिर ऋणात्मक दर से वृद्धि कर रहा है। आजादी के 65 वर्ष बीत जाने के बाद भी आज साठ फीसदी खेती वर्षा के सहारे हो रही है।

खाद्यान्न की बर्बादी

हाल ही में हुए एक शोध से यह पता चला है कि भारत में विवाह आदि समारोहों में खाने की जबरदस्त बर्बादी होती है। शोध में पाया गया कि सिर्फ बंगलूर शहर में हुई शादियों में क़रीब 950 टन खाद्य पदार्थ बर्बाद हुआ। समस्या सिर्फ खाना फेंकने की ही नहीं है, शादियों के भोजन में कैलौरी भी ज़रूरत से ज्यादा होती है। भारत में जहाँ कुपोषण की बड़ी समस्या है तो फिर ज़रूरत से ज्यादा कैलौरी वाला खाना खिलाना भी एक तरह की बर्बादी है। विश्व खाद्य उत्पादन पर एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत में मजबूत आर्थिक प्रगति के बावजूद भुखमरी की समस्या से निपटने की रफ्तार बहुत धीमी है। संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में खाद्यान्न का इतना भंडार है, जो प्रत्येक स्त्री, पुरुष और बच्चे का पेट भरने के लिए पर्याप्त है, लेकिन इसके बावजूद करोड़ों लोग ऐसे हैं, जो दीर्घ कालिक भुखमरी और कुपोषण या अल्प पोषण की समस्या से जूझ रहे हैं। क्या सिर्फ कृषि उत्पाद बढ़ा कर और खाद्यान्न को बढ़ा कर हम भूख से अपनी लड़ाई को सही दिशा दे सकते हैं। चाहे विश्व के किसी कोने में इस सवाल का जवाब हाँ हो, लेकिन भारत में इस सवाल का जवाब ना है और इस ना की वजह है, खाद्यान्नों को रखने के लिए जगह की कमी। यूँ तो भारत विश्व में खाद्यान्न उत्पादन में चीन के बाद दूसरे स्थान पर पिछले दशकों से बना हुआ है, लेकिन यह भी सच है कि यहाँ प्रतिवर्ष करोड़ों टन अनाज बर्बाद होता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार लगभग 58 000 करोड़ रुपये का खाद्यान्न भंडारण आदि तकनीकी के अभाव में नष्ट हो जाता है। भूखी जनसंख्या इन खाद्यान्नों पर ताक लगाए बैठी रह जाती है। कुल उत्पादित खाद्य पदार्थो में केवल दो प्रतिशत ही संसाधित किया जा रहा है। भारत में लाखों टन अनाज खुले में सड़ रहा है। यह सब ऐसे समय हो रहा है, जब करोड़ों लोग भूखे पेट सो रहे हैं और छह साल से छोटे बच्चों में से 47 फीसदी कुपोषण के शिकार हैं।

हल

भूख की वैश्विक समस्या को तभी हल किया जा सकता है, जब उत्पादन बढ़ाया जाए। साथ ही उससे जुड़े अन्य पहलुओं पर भी समान रूप से नजर रखी जाए। खाद्यान्न सुरक्षा तभी संभव है, जब सभी लोगों को हर समय, पर्याप्त, सुरक्षित और पोषक तत्वों से युक्त खाद्यान्न मिले, जो उनकी आहार संबंधी आवश्यकताओं को पूरा कर सके। साथ ही कुपोषण का रिश्ता ग़रीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, आदि से भी है। इसलिए कई मोर्चों पर एक साथ मजबूत इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करना होगा।

राजस्थान को लेकर सतर्क है कांग्रेस आलाकमान

(लेखक-- रमेश सर्राफ धमोरा)

राजस्थान कांग्रेस में चल रहे घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस आलाकमान पूरी तरह से सतर्क नजर आ रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी राजस्थान पर पूरी नजर रखे हुए हैं। जिस तरह से 25 सितंबर को दिल्ली से आए कांग्रेस के केंद्रीय पर्यवेक्षकों मल्लिकार्जुन खड़गे व अजय माकन के सामने कांग्रेस के विधायकों ने प्रदर्शन किया था। उससे पार्टी में चल रही अंदरूनी फूट उजागर हो गई थी। जयपुर की घटना से कांग्रेस आलाकमान सकते में आ गया था। उस घटना से कांग्रेस पार्टी पूरे देश में एकबारगी तो बैकफुट पर नजर आने लगी थी। इसीलिए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने राजस्थान गए पार्टी पर्यवेक्षकों से पूरे घटनाक्रम की लिखित में रिपोर्ट ली थी। ताकि जरूरत पड़ने पर उसी के मुताबिक कार्यवाही की जा सके। पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट पर ही गहलोत समर्थक तीन नेताओं शांति धारीवाल, महेश जोशी, धर्मेंद्र राठौड़ को कांग्रेस अनुशासन समिति द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। हालांकि अभी कांग्रेस अनुशासन समिति ने कारण बताओ नोटिस की कार्यवाही को ठंडे बस्ते में डाल रखा है। कांग्रेस अनुशासन समिति के सचिव तारीक अनवर द्धारा हाल ही में दिये गये बयान से तो लगता है कि कारण बताओ नोटिस पर शायद ही कोई कार्यवाही हो। मगर कांग्रेस पर नजर रखने वाले राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इसे तूफान आने से पहले की शान्ति भी समझा जा सकता है। राजस्थान के घटनाक्रम से कांग्रेस पार्टी का अनुशासन तार-तार हो गया था। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी इस बात से पूरी तरह वाकिफ है कि यदि पार्टी में एक बार अनुशासन भंग हो गया तो वैसी घटनाएं दूसरी जगह भी होने लगेगी। उनको रोकने के लिए कड़े अनुशासनात्मक कदम उठाए जाने जरूरी है। ताकि अन्य कहीं ऐसी घटना की पुनरावृत्ति ना हो पाए। इसी बात को लेकर सोनिया गांधी अपने निकट सहयोगियों से भी परामर्श कर चुकी है। राहुल गांधी द्वारा की जा रही भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए कर्नाटक पहुंची सोनिया गांधी राजस्थान के घटनाक्रम पर राहुल गांधी से भी विस्तार से चर्चा की है। बताया जाता है कि उस दौरान उनके साथ राहुल गांधी के विश्वस्त पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद थे। इस प्रकरण में वेणुगोपाल की राय भी काफी महत्वपूर्ण होगी। कांग्रेस में राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया चल रही है। कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के दौरान सोनिया गांधी किसी भी तरह का महत्वपूर्ण फैसला करने से बच रही है। हाल ही में सोनिया गांधी ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष व क्षेत्रीय अध्यक्षों की नियुक्तियां की थी। जिस पर अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ रहे शशि थरूर ने आपत्ति जताकर कांग्रेस के चुनाव अधिकारी मधुसूदन मिस्त्री को चुनावी प्रक्रिया संपन्न होने तक किसी भी प्रकार के नीतिगत फैसले लेने से रोकने की मांग की थी। उस कारण से सोनिया गांधी राजस्थान को लेकर आगे नहीं बढ़ रही है। सोनिया गांधी का मानना है कि कांग्रेस के अगले अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे का बनना तय है। मलिकार्जुन खड़गे स्वयं राजस्थान में कांग्रेस के पर्यवेक्षक बन कर गए थे। इस कारण वह व्यक्तिगत रूप से पूरे घटनाक्रम से वाफिक है। ऐसे में राजस्थान पर जो भी फैसला हो वह मल्लिकार्जुन खड़गे के माध्यम से ही करवाया जाए। ताकि उनके ऊपर समानांतर रूप से काम करने का आरोप नहीं लग सके। राजस्थान में गहलोत समर्थक कई मंत्रियों ने राजस्थान के प्रभारी राष्ट्रीय महासचिव अजय माकन पर भी सचिन पायलट का पक्ष लेने का आरोप लगाया था। गहलोत समर्थक मंत्री चाहते हैं कि राजस्थान से अजय माकन को हटाकर उनके स्थान पर किसी अन्य वरिष्ठ नेता को राजस्थान का प्रभारी बनाया जाए जो निष्पक्षता से काम करें। लेकिन गहलोत समर्थकों को इस बात को भी नहीं भूलना चाहिए कि 25 सितंबर के घटनाक्रम के दौरान माकन के साथ मलिकार्जुन खड़गे भी दो दिन तक जयपुर में विधायकों से मिलने का इंतजार करते रह थे। मगर एक भी गहलोत समर्थक विधायक ने पर्यवेक्षकों से मिलकर अपनी राय व्यक्त नहीं की थी। इस घटना से मलिकार्जुन खड़गे भी काफी क्षुब्ध नजर आए थे। दिल्ली आकर उन्होंने भी कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को लिखित में इस घटना की विस्तृत जानकारी दी थी। मलिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के सबसे वरिष्ठ नेता है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनकी जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाएगी। उनके नेतृत्व में यदि कोई पार्टी का नेता अनुशासनहीनता करता है तो अनुशासन बनाए रखने की पूरी जिम्मेदारी भी उन्हीं की होगी। राजस्थान में जिस तरह से उनके सामने पार्टी का अनुशासन भंग किया गया वैसी स्थिति फिर कभी ना हो। इसकी व्यवस्था भी उनको ही करनी होगी। यदि अनुशासनहीनता करने वाले किसी भी नेता या पार्टी कार्यकर्ता को दंडित नहीं किया जाता है तो भविष्य में अनुशासन बनाए रखना मुश्किल हो सकता है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जिस तरह योजनाबद्ध तरीके से कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से दूर हो गए थे। वैसे ही वह अपने समर्थक विधायकों को गोलबंद कर आलाकमान से सशर्त मुख्यमंत्री पद छोड़ने की बात कह रहे हैं। गहलोत किसी भी सूरत में सचिन पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनने देना चाहते हैं। पायलट को मुख्यमंत्री बनने से रोकने के लिए गहलोत किसी भी स्तर तक जाकर जोखिम उठाने को तैयार हैं। गहलोत को पता है कि उनके पास 80 से अधिक विधायकों का समर्थन है। ऐसे में आलाकमान उनकी मर्जी के खिलाफ किसी दूसरे को मुख्यमंत्री बनाता है तो पार्टी में विद्रोह की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। कांग्रेस आलाकमान को भी पता है कि यदि गहलोत को मुख्यमंत्री पद से हटाने में जबरदस्ती या किसी तरह की जल्दबाजी की गई तो उसका खामियाजा पार्टी को उठाना पड़ सकता है। आज राजस्थान में 13 निर्दलीय व पांच अन्य दलों के विधायकों का भी समर्थन गहलोत को मिला हुआ है। इस बार मुख्यमंत्री रहते गहलोत ने अपनी स्थिति इतनी मजबूत कर ली कि उनके समक्ष कांग्रेस में कोई दूसरा नेता खड़ा नहीं हो सकता है। यदि कोई खड़ा होता भी है तो उसकी स्थिति पायलट जैसी बना दी जाती है। गहलोत ने बड़ी ही चतुराई से पायलट को बागी बनाकर पार्टी से बर्खास्त करवा दिया था। अब उस पर गद्दार का ठप्पा लगा दिया है। जबकि गहलोत के इशारे पर उनके समर्थकों द्वारा पार्टी पर्यवेक्षकों से की गई उपेक्षा के प्रकरण को ठंडा करने के लिए गहलोत ने दिल्ली जाकर सोनिया गांधी से सार्वजनिक रूप से क्षमा मांग कर प्रकरण को ठंडे बस्ते में डलवा दिया। कांग्रेस आलाकमान को राजस्थान में कोई भी कदम उठाने से पहले पूरी तैयारी करनी होगी तथा अपने स्टैंड पर मजबूती से डटे रहना होगा।

(चिंतन-मनन)

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुत: उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रात: स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया। संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंत-स्थिति ही होती है। धनी-निर्धन, रोग-नीरोग, अकाल मृत्यु-दीर्घ जीवन, मूर्ख-विद्वान, घृणित-प्रतिष्ठत और सफल-असफल का बाहरी अंतर देखकर उसके व्यक्तित्व का मूल्यांकन किया जाता है। यह बाहरी भली-बुरी परिस्थितियां मनुष्य के मनोबल, आस्था और अंत: प्रेरणाओं की प्रतीक हैं। भाग्य यदि कभी कुछ करता होगा तो निश्चय ही उसे पहले मनुष्य की मनोरुचि में ही प्रवेश करना पड़ता होगा, जिसकी अंत: गतिविधियां सही दिशा में चलने लगीं हैं। किंतु जिसका मानसिक स्तर चंचलता, अवसाद, अवास, आलस्य, आवेश, दैन्य आदि से दूषित हो रहा है, उसके लिए अच्छी परिस्थितियां और अच्छे साधन उपलब्ध होने पर भी दुर्गति का ही सामना करना पड़ेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ब्रिटेन के वित्त मंत्री क्वारतेंग ने दिया इस्तीफा

- आर्थिक पैकेज में बदलाव किए जाने के बाद छोड़ा पद

लंदन । ब्रिटेन के वित्त मंत्री क्वासी क्वारतेंग ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री लिज ट्रस के आर्थिक पैकेज में बदलाव किए जाने के बाद पद छोड़ा है। वह करीब एक महीने पद पर रहे। उनके कार्यकाल में कर में कटौती की घोषणा की गई जिससे पौंड की विनिमय दर में भारी गिरावट आई, इससे लोगों का जीवनयापन प्रभावित हो रहा था। उल्लेखनीय है कि क्वारतेंग ने हाल ही में पद से हटने की बात को खारिज करते हुए कहा था, मैं कहीं नहीं जा रहा हूं। कर कटौती के प्रस्तावों से वित्तीय बाजार पर प्रतिकूल असर पड़ा और उससे निपटने के लिए बैंक ऑफ इंगलैंड को कदम उठाना पड़ा है। रिपोर्ट के अनुसार क्वारतेंग 1970 के बाद से अब तक के ब्रिटेन के सबसे कम अवधि के वित्त मंत्री रहे। क्वारतेंग को छह सितंबर को वित्त मंत्री नियुक्त किया गया था। इससे पहले वह आठ जनवरी 2021 और छह सितंबर 2022 के बीच व्यापार, ऊर्जा एवं औद्योगिक रणनीति विभाग के मंत्री थे।

प्रो इयरबडस में पांच-बैंड ईक्यू फीचर जोड़ा

-गूगल कंपनी ने ट्विटर पर किया पोस्ट

नई दिल्ली । अपने पिक्सल बड्स प्रो ईयरबड्स में जानी-मानी कंपनी गूगल ने एक अनुकूलन योग्य पांच-बैंड ईक्यू फीचर जोड़ा है। स्वयं गूगल कंपनी ने ट्विटर पर पोस्ट कर यह जानकारी दी है कि, पिक्सलबड्स प्रो पर 5-बैंड ईक्यू के साथ, अब आप अपने साउंड को कस्टमाइज कर सकते हैं या हमारे ऑडियो इंजीनियरों द्वारा ट्यून किए गए प्रीसेट के बीच चयन कर सकते हैं। ईक्यू को ब्लूटूथ सेटिंग से कस्टमाइज किया जा सकता है, जहां अपर ट्रेबल, ट्रेबल, मिड, बेस और लोअर बेस को यूजर की पसंद के अनुसार बैलेंस किया जा सकता है। कंपनी एक बैटरी प्रदान करने का दावा करती है जो सुनने योग्य डिवाइस पर 11 घंटे तक, या चार्जिंग केस के साथ 31 घंटे तक का समय देती है। इससे पहले, कंपनी ने पिक्सल बड्स ऐप के साथ एक्टिव नॉइज कंट्रोल (एएनसी) को हियरेबल में जोड़ा था। एएनसी के तहत, सुनने योग्य के बेहतर प्रदर्शन के लिए तीन अलग-अलग तरीके- नॉयस कैंसिलेशन, ट्रांसपेरेंसी और ऑफ हैं। नॉयस कैंसिलेशन मोड बाहरी शोर को ब्लॉक करने में मदद करता है। ट्रांसपेरेंसी मोड बाहरी साउंड को सुनने के लिए साउंड को अंदर आने देता है। वहीं, कंपनी के मुताबिक ऑफ मोड दोनों एक्टिव मोड्स को डिसेबल कर देता है। कंपनी के ऑडियो इंजीनियरों द्वारा ट्यून किए गए छह प्रीसेट- डिफॉल्ट, हैवी बेस, लाइट बेस, बैलेंस्ड, वोकल बूस्ट और क्लैरिटी भी होंगे।

सबसे सस्ता इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च करेगी ओला , 22 अक्टूबर को घोषणा होने का अनुमान

नई दिल्ली । अब ओला कंपनी सबसे सस्ता इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। कंपनी के सीईओ भाविश अग्रवाल ने आज अपने ट्वीट में लिखा है कि 22 अक्टूबर को ओला बड़ी घोषणा करने जा रही है। माना जा रहा है कि सबसे सस्ते इलेक्ट्रिक स्कूटर को लेकर 22 अक्टूबर को कोई घोषणा होगी। जानकारों के मुताबिक, यह नई घोषणा सस्ते एस1 इलेक्ट्रिक स्कूटर को लेकर हो सकती है। इसके अलावा कंपनी अपने विस्तार की कुछ नई योजनाओं का भी खुलासा कर सकती है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह कहा गया है कि ओला का नया इलेक्ट्रिक स्कूटर 80 हजार रुपये के आस-पास हो सकता है। अभी ओला की सबसे कम दाम की इलेक्ट्रिक स्कूटर एस 1 एक लाख रूपये (एक्सशोरूम प्राइस) की है।सूत्रों के मुताबिक, इस ई-स्कूटर को पेश करना उन घोषणाओं में से एक है, जो ओला के सीईओ त्योहार से पहले आने वाले दिनों में करने वाले हैं। इसके अलावा, ई-स्कूटर की इस श्रेणी में पिछले स1 वेरिएंट की अधिकांश विशेषताओं को बनाए रखने की उम्मीद है, क्योंकि यह ओला के मालिकाना मूवओएस प्लेटफॉर्म पर काम करेगा। आपको बता दें कि ओला इलेक्ट्रिक कार पर भी काम कर रही है।

भारत के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में सब्सिडीज ने एक निश्चित योगदान दिया: वित्त मंत्री

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विश्व बैंक विकास समिति की बैठक के दौरान एक हस्तक्षेप में कहा कि सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के कई प्रमुख मापदंडों पर भारत के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में सब्सिडीज ने एक निश्चित योगदान दिया है। हम बैंक से सब्सिडी के एक आयामी दृष्टिकोण से बचने का आग्रह करते हैं। सीतारमण ने कहा कि विकृत सब्सिडी और कमजोर परिवारों को लक्षित सहायता प्रदान करने के बीच अंतर करना महत्वपूर्ण है। उदाहरण के तौर पर उन्होंने कहा कि पिछले छह वर्षों में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त एलपीजी कनेक्शन प्रदान करके भारत सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि भारत में महिलाओं तक स्वच्छ खाना पकाने के तरीकों की पहुंच हो। उन्होंने कहा कि इसने एसडीजी के कई प्रमुख मापदंडों पर भारत के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में एक निश्चित योगदान दिया है। इससे पहले, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की ओर से वैश्विक आर्थिक संकट के बीच भारत को निवेश के लिए एक उज्ज्वल स्थान के रूप में वर्णित करने के एक दिन बाद केंद्रीय वित्त मंत्री

निर्मला सीतारमण ने भी देश की अर्थव्यवस्था की प्रशंसा की। वित्त मंत्री ने कहा कि अनिश्चितताओं की दुनिया में भारत बहुत कम असाधारण प्रदर्शन करने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। उन्होंने कहा कि भारत के राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन (एनएसओ) ने अब चालू वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही के लिए सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर साल-दर-साल आधार पर 13.5 प्रतिशत रखी है, जो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक है।

डी-मार्ट का शुद्ध लाभ 64प्रतिशत बढ़कर 686 करोड़ रुपए हुआ

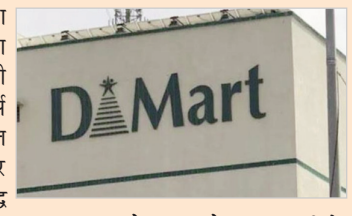

नई दिल्ली: खुदरा श्रृंखला डी-मार्ट का संचालन करने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ 64.13 प्रतिशत बढ़कर 685.71 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी ने शनिवार को बीएसई को दी गई सूचना में कहा कि एक साल पहले की समान तिमाही में उसका समेकित शुद्ध लाभ 417.76 करोड़ रुपए रहा था। आलोच्य तिमाही में कंपनी का परिचालन राजस्व 36.58 प्रतिशत बढ़कर 10,638.33 करोड़ रुपए हो गया जबकि एक साल पहले की समान तिमाही में यह 7,788.94 करोड़ रुपए रहा था। एवेन्यू सुपरमार्ट्स का कुल खर्च बीती तिमाही में 9,925.95 करोड़ रुपए रहा है जो एक साल पहले की समान अवधि में रहे 7,248.74 करोड़ रुपए से 36.93 प्रतिशत अधिक है।

आज खुलेगा इस कंपनी का आईपीओ

मुंबई ।

अगर इलेक्ट्रॉनिक्स मार्ट इंडिया के आईपीओ पर दांव नहीं लगा सके हैं, तब सोमवार को निवेश के लिए तैयार रहें। इस दिन एक और बड़ी कंपनी का आईपीओ आ रहा है। इसकारण अगर शेयर मार्केट में निवेश के लिए प्लान कर रहे हैं, तब पैसे तैयार रखें। मार्केट इंटेलिजेंस डेटा एनालिटिक्स प्रोवाइड कराने वाली ट्रेक्सन टेक्नालाजी का आईपीओ 10 अक्टूबर को खुल रहा है। कंपनी के आईपीओ से 09.38 करोड़ रुपये जुटाने की योजना हैं। पिछले दिनों आए इलेक्ट्रॉनिक्स मार्ट इंडिया के आईपीओ को शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। ट्रेक्सन टेक का आईपीओ 10 से 12 अक्टूबर 2022 तक बोली लगाने के लिए खुला रहेगा। कंपनी ने पब्लिक ऑफर प्राइस बैंड 75 से 80 रुयये प्रति इक्विटी शेयर तय किया है। ट्रेक्सन टेक के एक लॉट में 185 शेयर शामिल हैं। आईपीओ एक बिल्ड इश्यू है और ये पूरी तरह से ओएफएस नेचर का है। कंपनी के प्रमोटरों में को-फाउंडर नेहा सिंह और अभिषेक गोयल 76.6 लाख शेयर की बिक्री करने वाले हैं। वहीं, फ्लिपकार्ट के संस्थापक बिन्नी बंसल और सचिन बंसल 12.63 लाख शेयर बेचने वाले हैं। ट्रेक्सन प्राइवेट मार्केट में प्रमुख डेटा सर्विस प्रोवाइड कराने वाली कंपनी के रूप में उभरी है। रिपोर्ट के अनुसार, इस आईपीओ में योग्य संस्थागत निवेशकों (क्यूआईआई) के लिए 75 फीसदी कोटा रिजर्व होगा, जबकि गैर-संस्थागत निवेशकों का कोटा 15 फीसदी का कोटा रिजर्व होगा। रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए 10 फीसदी की हिस्सेदारी रिजर्व होगी। ट्रेक्सन टेक्नालाजी के शेयरों का अलॉटमेंट 17 अक्टूबर को हो सकता है। वहीं, 20 अक्टूबर को कंपनी की लिस्टिंग बीएसई और एनएसई पर होगी है। लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को पब्लिक इश्यू का आधिकारिक रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। ट्रेक्सन टेक्नालाजी की शुरुआत साल 2012 में की गई थी। इसके फाउंडर नेहा सिंह और अभिषेक गोयल हैं।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स और निफ्टी में रही हल्की गिरावट

मुंबई ।

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई लेकिन शुक्रवार को वैश्विक शेयर बाजारों में तेजी के बीच इन्फोसिस, बैंक और वित्तीय शेयरों में भारी लिवाली से बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स 0.46 प्रतिशत नीचे आया जबकि निफ्टी 0.74 प्रतिशत टूटा। बीते पांच कारोबारी दिनों में से शेयर बाजार में तीन दिन गिरावट और दो दिन तेजी का रुख रहा। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स 825.61 अंक की गिरावट के साथ 57,365.68 पर खुला और 200.18 अंक की गिरावट के साथ 57,991.11 पर बंद हुआ। जबकि व्यापक एनएसई निफ्टी 249.95 अंक गिरकर 17,064.70 पर खुला और 73.65 अंक टूटकर 17,241 अंक पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 220.86 अंक गिरकर 57,770.25 पर खुला और 843.79 अंक लुढ़ककर 57,147.32 पर बंद हुआ। व्यापक एनएसई निफ्टी 68.05 अंक गिरकर 17,172.95 पर खुला और 257.45 अंक यानी 1.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 16,983.55 पर बंद हुआ।

बुधवार को बीएसई सेंसेक्स ने सकारात्मक शुरुआत की और यह 179.53 अंक चढ़कर 57,326.85 पर खुला और 478.59 अंक चढ़कर 57,625.91 पर बंद हुआ। निफ्टी 52.75 अंक बढ़कर 17,036.30 पर खुला और 17,100 अंक का स्तर पार करते हुए 17,123.60 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 179.48 अंक गिरकर 57,446.43 पर खुला और 390.58 अंक की गिरावट के साथ 57,235.33 पर बंद हुआ। निफ्टी 35.65 अंक टूटकर 17,087.95 पर खुला और 109.25 अंक की गिरावट के साथ 17,014.35 पर बंद हुआ। सेंसेक्स 1,087.14 अंक चढ़कर 58,322.47 पर खुला और 684.64 अंक की तेजी के साथ 57,919.97 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 317.3 अंक बढ़कर 17,331.65 पर खुला और निफ्टी 171.35 अंक की बढ़त के साथ 17,185.70 पर बंद हुआ।

त्योहार के मौसम में अमूल ने बढ़ाई दूध की कीमत

अब एक किलो अमूल दूध का पैकेट 61 की जगह 63 रुपए में मिलेगा

नई दिल्ली ।

त्योहारी मौसम में गुजरात की कंपनी अमूल ने दूध की कीमत में बढ़ोतरी कर दी है। कंपनी ने दिल्ली में अपने दूध के दाम 2 रुपए प्रति लीटर बढ़ा दिए हैं। अब एक किलो अमूल दूध के पैकेट 61 रुपए की जगह 63 रुपए में मिलेगा। हालांकि, दूध के दाम बढ़ने पर कंपनी की ओर से अभी कोई बयान जारी नहीं किया गया है। अमूल के बाद अब इस त्योहारी मौसम में दूसरी कंपनियां भी दूध के दाम बढ़ा सकती हैं। अमूल ने पिछली बार जब दाम बढ़ाए थे, तो लागत में बढ़ोतरी का हवाला दिया था। गौरतलब है कि चारे की महंगाई दर अभी भी रेकॉर्ड स्तर के करीब बनी हुई है। शुक्रवार को जारी हुए थोक महंगाई के आंकड़ों से यह बात पता चलती है। थोक महंगाई दर के आंकड़ों के अनुसार, चारे की महंगाई दर 25 फीसदी से ऊपर बनी हुई है। चारा महंगा होने से दूध उत्पादन की लागत बढ़ रही है और पशुपालकों का मुनाफा घट रहा है। इस हफ्ते दो कंपनियों ने दूध के दाम में इजाफा किया था। इस सप्ताह 11 अक्टूबर को मेधा और सुधा डेयरी ने दूध की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की थी। इन दोनों ही कंपनियों का दूध दो रुपये प्रति लीटर महंगा हुआ है। गौरतलब है

कि बता दें कि गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड अमूल ब्रैंड नेम के साथ अपने डेयरी प्रोडक्ट्स बेचता है। लोकप्रिय मिल्क ब्रैंड अमूल और मदर डेयरी ने इससे पहले अगस्त में दूध की कीमतों में 2 रुपए प्रति लीटर का इजाफा किया था। लागत में वृद्धि की भरपाई के लिए कीमतों में यह इजाफा किया गया था। इससे पहले मार्च में दूध की कीमतें बढ़ी थीं।

सितंबर में देश का निर्यात 4.82 प्रतिशत बढ़कर 35.45 अरब डॉलर, व्यापार घाटा भी बढ़ा

मुंबई । सितंबर में देश का निर्यात में बढ़ोतरी देखी जा रही है। वहीं आयात में भी सालाना आधार पर बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। देश का निर्यात सितंबर में 4.82 प्रतिशत बढ़कर 35.45 अरब डॉलर हो गया है। इस दौरान व्यापार घाटा भी बढ़कर 25.71 अरब डॉलर पर आ गया है। केन्द्रीय वाणिज्य मंत्रालय के हाल ही में जारी आकड़ों से यह जानकारी मिली है। इस महीने के पहले सप्ताह में जारी अपने शुरुआती आंकड़ों में मंत्रालय ने कहा था कि सितंबर में देश का वस्तुओं का निर्यात 3.52 प्रतिशत घटकर 32.62 अरब डॉलर रह गया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार सितंबर माह 2022 में देश का आयात सालाना आधार पर 8.66 प्रतिशत बढ़कर 61.61 अरब डॉलर हो गया है। सितंबर, 2021 में व्यापार घाटा 22.47 अरब डॉलर रहा था। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही अप्रैल-सितंबर, 2022 में निर्यात 16.96 प्रतिशत बढ़कर 231.88 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 38.55 प्रतिशत बढ़कर 380.34 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। वहीं इस दौरान व्यापार घाटा 76.25 अरब डॉलर के मुकाबले बढ़कर 148.46 अरब डॉलर हो गया है। इंजीनियरिंग, रेडीमेड कपड़े, प्लास्टिक, काजू और कालीन जैसे प्रमुख क्षेत्रों का निर्यात इस साल सितंबर में घट गया है। इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात सितंबर माह में 10.85 प्रतिशत घटकर 8.4 अरब डॉलर रह गया। इसी तरह रेडीमेड परिधानों का निर्यात 18 प्रतिशत घटकर एक अरब डॉलर रह गया। प्लास्टिक का निर्यात भी 12.2 प्रतिशत घटकर 66.66 करोड़ डॉलर पर आ गया।

गूगल ने लांच किया गुगल प्ले प्वाइंटस रिवार्ड प्रोग्राम

सर्विस सब्सक्राइब करने पर मिलेंगे प्वाइंट और रिवॉर्ड

नई दिल्ली ।

भारत में गूगल ने गुगल प्ले प्वाइंटस रिवार्ड प्रोग्राम लॉन्च किया है। कंपनी ने प्रोग्राम को ब्रॉन्ज, सिल्वर, गोल्ड और प्लेटिनम लेवल में बांटा है। प्रोग्राम के तहत यूजर्स को गूगल प्ले मार्केटप्लेस से गेम, ऐप और सर्विस सब्सक्राइब करने पर प्वाइंट मिलेंगे। यह प्रोग्राम फिलहाल 28 देशों में उपलब्ध है। तीनों लेवल से सर्विस सब्सक्राइब करने पर यूजर्स को इनाम दिए जाएंगे। इस प्रोग्राम का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा यूजर्स को अपने साथ जोड़ना है।इस संबंध में गूगल ने अपनी आधिकारिक ब्लॉग पोस्ट में कहा है कि गूगल प्ले प्वाइंट प्रोग्राम के जरिए कंपनी ज्यादा-से-ज्यादा यूजर्स को अपने साथ जोड़ना चाहती है। इस पहल के तहत यूजर्स को प्ले स्टोर में गेम, ऐप, इन-ऐप आइटम और सर्विस की खरीदारी करने पर प्वाइंट मिलेंगे।

Google Play Points
EVERYTHING YOU NEED TO KNOW

इसके साथ ही यूजर्स को ब्रॉन्ज, सिल्वर, गोल्ड और प्लेटिनम लेवल पर बांटा जाएगा, जहां उनको लेवल के आधार पर प्राइज और ऑफर्स दिए जाएंगे। गूगल ने अपने बयान में कहा कि गूगल प्ले प्वाइंट्स के जरिए लोकल डेवलेपर्स को एक नया एवेन्यू बनाने में मदद मिलेगी। इससे ग्लोबल और लोकल यूजर्स का एक बेस तैयार होगा।

गूगल ने अपने ब्लॉग में आगे कहा कि वह आने वाले समय में दूसरे देशों में भी इस प्रोग्राम को शुरू करेगा।गूगल ने कहा कि वह गूगल प्ले पॉइंट्स प्रोग्राम को अगले हफ्ते से भारत में शुरू करने जा रही है।

गूगल ने भारत में इस प्रोग्राम के लिए 30 से ज्यादा ऐप डेवलपर्स से टाई-अप किया है। इनमें 8 बॉल पोल, द किंग रिटर्न, लूडो किंग, एंड लूडो स्टार, टूकॉलर और व्यासा जैसे ऐप्स शामिल हैं। इस प्रोग्राम का हिस्सा बनने के लिए यूजर्स कोई मासिक शुल्क नहीं देना होगा। प्रोग्राम में शामिल होने के लिए उन्हें केवल गूगल प्ले स्टोर पर जाकर अपनी प्रोफाइल पर टैप करना होगा और उसके बाद वहां बताए गए इंस्ट्रक्शन फॉलो करना होगा। इसके बाद यूजर्स के अकाउंट पर सर्विस एक्टिव हो जाएगी।

देश में 5जी अनुकूल फोन का सॉफ्टवेयर अपडेट नंवबर-दिसंबर तक करेगी सैमसंग और एप्पल

मुंबई।

बेहद तेज इंटरनेट सुविधा वाले 5जी नेटवर्क को जल्द से जल्द अपनाने के मोदी सरकार के जोर के बाद स्मार्टफोन विनिर्माता सैमसंग और एप्पल भारत में अपने 5जी अनुकूल फोन का सॉफ्टवेयर नवंबर-दिसंबर में अद्यतन (अपडेट) करेंगी। दरअसल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक अक्टूबर को देश में 5जी सेवाओं की शुरुआत की घोषणा की थी। एयरटेल और रिलायंस जियो जैसे अग्रणी दूरसंचार कंपनियों ने चुनिंदा शहरों में यह सेवा उपलब्ध करवाने की योजना बताई थी। लेकिन खराब नेटवर्क और स्मार्टफोन कंपनियों के सॉफ्टवेयर को 5जी सेवाओं के अनुकूल बनाने में देरी करने से इन शहरों में अधिकांश लोग 5जी सेवाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। वहीं मोदी सरकार चाहती है कि कंपनियां जल्द से जल्द 5जी के लिए तैयार हो, क्योंकि इससे न केवल बेहद तेज इंटरनेट मिलेगा बल्कि आर्थिक प्रगति की रफ्तार बढ़ने के साथ-साथ रोजगार सृजन भी होगा। एप्पल ने कहा है कि आईफोन उपयोगकर्ताओं के लिए वह दिसंबर से 5जी सॉफ्टवेयर अपडेट शुरू कर देगी। यह सुविधा आईफोन 14, आईफोन 13, आईफोन 12 और आईफोन एसई

में उपलब्ध होगी। कंपनी ने कहा कि आईफोन उपयोगकर्ताओं को सर्वश्रेष्ठ 5जी अनुभव जल्द से जल्द दिलाने के लिए वह भारत में अपने साझेदारों के साथ काम कर रही है। उसने कहा कि नेटवर्क सत्यापन और गुणवत्ता एवं प्रदर्शन का परीक्षण पूरा हो चुका है।

वहीं सैमसंग ने कहा कि नवंबर के मध्य तक वह सभी 5जी उपकरणों को अपडेट कर देगी। सैमसंग इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, हम अपने परिचालक साझेदारों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और नवंबर, 2022 के मध्य तक हमारे 5जी उपकरणों में ओटीए अपडेट शुरू करने के लिए तैयार हैं। भारत में लाखों लोगों के पास 5जी फोन हैं, लेकिन वे सेवाओं का संतोषजनक तरीके से लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। यह देखकर दूरसंचार विभाग और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने बुधवार को स्मार्टफोन कंपनियों और दूरसंचार संचालकों के साथ बैठक की है।

पेट्रोल और डीजल हिमाचल में महंगा, बिहार में सस्ता

ब्रेंट क्रूड 2.94 डॉलर गिरकर 91.63 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

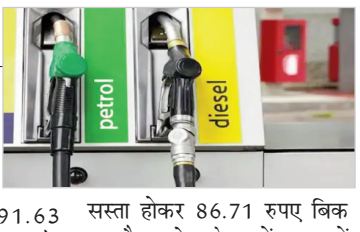

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। शनिवार को ब्रेंट क्रूड 2.94 डॉलर गिरकर 91.63 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। उधर डब्ल्यूटीआई भी 3.50 डॉलर सस्ता होकर 85.61 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। सरकारी तेल कंपनियों ने कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव कर दिया है। हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल 0.87 रुपए बढ़कर 95.93 रुपए प्रति लीटर और डीजल 0.74 रुपए की तेजी के साथ 82.15 रुपए प्रति लीटर का हो गया है। जम्मू-कश्मीर में पेट्रोल 0.44 रुपए महंगा होकर 100.79 रुपए प्रति लीटर और डीजल 0.41 रुपए बढ़कर 86.05 रुपए का हो गया है। बिहार में पेट्रोल-डीजल के दाम गिरे हैं। यहां पेट्रोल 0.49 रुपए सस्ता होकर 109.17 रुपए प्रति लीटर जबकि डीजल 0.46 रुपए गिरकर 95.82 में बिक रहा है। इसके अलावा हरियाणा में पेट्रोल 0.21 रुपए सस्ता होकर 97.34 रुपए और डीजल 90.19 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पंजाब में पेट्रोल 0.54 रुपए गिरकर 96.35 रुपए प्रति लीटर और डीजल 0.53 रुपए सस्ता होकर 86.71 रुपए बिक रहा है। देश के चारों महानगरों दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

पटना में पेट्रोल 107.80 रुपए और डीजल 94.56 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

इस सप्ताह सोना 51 हजार से नीचे पहुंचा

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह सोने की कीमतों में गिरावट आई है। त्योहारी सीजन के बीच सोने की कीमतों का कम होना लोगों के लिए राहत की बात है। भारतीय सर्राफा बाजार में इस सप्ताह सोने की कीमतें 51 हजार रुपए के आंकड़े के नीचे आ गईं। इस हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सोने की कीमतें 50,763 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुईं। पूरे हफ्ते सोने की कीमतों में गिरावट का रुख देखने को मिला। इस दौरान करवा चौथ पर लोगों ने जमकर सोने और सोने की ज्वैलरी की खरीदारी की। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सोने की कीमतें 51,908 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थीं। इस सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार से सोने की कीमतों में गिरावट का दौर शुरू हुआ। इस दिन सोने की कीमतें 51,317 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुईं। मंगलवार को कीमतें गिरकर 51 हजार के नीचे आ गईं और ये 50,771 रुपए प्रति 10

ग्राम पर बंद हुईं। बुधवार को भी भाव गिरे। गुरुवार को हल्की तेजी रही और शुक्रवार को सोने की कीमतें 50,763 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुईं। 24 कैरेट वाले सोने का दाम 14 अक्टूबर को अधिकतम 50,763 रुपए रहा. जबकि 22 कैरेट वाले गोल्ड का दाम 50,560 रुपए प्रति 10 ग्राम रहा। इसके अलावा सोने पर जीएसटी शुल्क अलग से देना पड़ता है।

पेरिस ओलंपिक पर हैं फॉरवर्ड नवनीत की नजरें

बेंगलुरु । भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड नवनीत कौर ने कहा है कि वह आगामी पेरिस ओलंपिक को देखते हुए अपने खेल को बेहतर करने पर ध्यान दे रही है। नवनीत के अनुसार अगले साल एशियाई खेल भी होने हैं। इस खिलाड़ी ने कहा कि बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल उनके लिए एक अच्छा अभियान था, क्योंकि उन्होंने 16 साल के बाद कांस्य पदक जीता था। इस फारवर्ड खिलाड़ी ने कहा कि वह आगे बढ़ने वाली टीम में अपने को बड़ी भूमिका निभाते हुए देखना चाहती हैं। नवनीत ने कहा, 'मुझे अपने गेम में सुधार करने की आवश्यकता है, जिससे मैं गेंद को नियंत्रित करने में बेहतर हो सकूं और बदले में खेल की गति को नियंत्रित करने में सक्षम हो सकूं, क्योंकि तब मैं अपनी गति से खेल सकती हूं और हालातों के अनुसार अपने गेम को चला सकती हूं।' राष्ट्रमंडल खेलों के अभियान को लेकर उन्होंने कहा, 'पदक जीतने पर हमें बहुत खुशी हुई है, भले ही हमारी टीम सेमीफाइनल में हार के बाद थोड़ा निराश महसूस कर रही थी। टीम में सभी को कांस्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करते हुए देखना विशेष था।' नवनीत ने यह भी कहा कि टीम बड़े आयोजनों को देखते हुए बेहतर समन्वय और फिनिशिंग पर भी काम कर रही है।

भारतीय टीम ने सातवीं बार महिला एशिया कप क्रिकेट खिताब जीता

फाइनल में श्रीलंका को आठ विकेट से हराया

सिहलट (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने फाइनल में श्रीलंका को आठ विकेट से हराकर सातवीं बार महिला एशिया कप जीता है। इसी के साथ ही भारतीय महिलाओं ने पुरुष टीम के सात बार एशिया कप खिताब जीतने के रिकार्ड की भी बराबरी की है। इस मैच में भारतीय गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए श्रीलंकाई टीम को कोई मौका नहीं दिया और आसानी से मुकाबला जीत लिया। पहले गेंदबाजी के दौरान भारतीय टीम की ओर से रेणुका सिंह ने सबसे ज्यादा तीन विकेट जबकि राजेश्वरी गायकवाड़ और स्नेह राणा ने दो-दो विकट लिए। इसके बाद स्मृति मंधाना ने बल्लेबाजी के दौरान शानदार नाबाद अर्धशतक 51 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंकाई टीम विफल रही निर्धारित 20 ओवरों में वह नौ विकेट पर केवल 65 रन ही बना पायी जिसके बाद जीत के लिए मिले 66 रनों के लक्ष्य को भारतीय टीम ने 8.3 ओवर में ही दो विकेट के नुकसान पर 71 रन बनाकर हासिल कर लिया। स्मृति ने नौंवे ओवर की तीसरी गेंद पर छक्का लगाकर भारत को जीत दिलाई। यह महिला एशिया कप का आठवां सत्र था, जिसमें भारतीय टीम को सातवीं जीत मिली है जबकि पिछले संस्करण में इसे बांग्लादेश ने जीता था।

वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा केवल पांच रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गयीं। इसके बाद इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने वाली जेमिमा रॉड्रिगेज़ भी केवल दो रन ही बना पायीं। तब उपकप्तान मंधाना ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ तीसरे विकेट के लिये 36 रन जोड़कर भारतीय टीम को जीत दिलायी। मंधाना ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए केवल 25 गेंदों पर ही छह चौकों और तीन छक्कों लगाकर 51 रन बना दिये जबकि हरमनप्रीत ने 14 गेंदों पर एक चौके के साथ नाबाद 11 रन बनाये। मंधाना ने शुरुआत से ही बड़े शॉट खेले। शेफाली और जेमिमा के विकेट गिरने के बाद भी मंधाना ने रनों की रफ्तार नहीं रुकने दी। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरीं हरमनप्रीत ने भी दूसरी ही गेंद पर चौका लगाकर उनका अच्छा साथ दिया।

वहीं इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का श्रीलंकाई कप्तान का फैसला गलत साबित हुआ।

श्रीलंका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी लेकिन यह फैसला उनके पक्ष में बिल्कुल भी नहीं गया। तीसरे ही ओवर में कप्तान और सलामी बल्लेबाज चमारी अटापट्टू केवल छह रन बनाकर आउट हो गयीं। इसके एक के बाद एक विकेट गिरने लगे। रेणुका ने अगले ही ओवर में हर्षिता मदावी और हसिनी परेरा को पेवेलियन भेज दिया जबकि अनुष्का संजीवनी रनआउट हुईं। रेणुक ने छठे ओवर में कविशा दिलहारी को आउट कर दिया। इस प्रकार केवल 16 रनों पर ही आधी टीम पेवेलियन लौट गयी। राजेश्वरी ने निलाक्षी डी सिल्वा और ओशदी राणासिंह के विकेट लिए जबकि स्नेह राणा ने मलशा शेहानी और सुगंधा कुमारी को अपना शिकार बनाया। श्रीलंका के नौ विकेट 50 रनों के अंद गिर गये थे। इसके बाद अंतिम दो बल्लेबाजों ने किसी प्रकार स्कोर आगे बढ़ाया। अंतिम बल्लेबाजों ने 27 गेंदों पर 22 रन जोड़कर अपनी टीम को 20 ओवर में 65/9 के स्कोर तक पहुंचाया। इनोका रणवीरा ने नाबाद 18 रन बनाए जबकि अचिनी कुलसुरिया ने छह रन बनाये। इस मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए भारत की रेणुका सिंह को प्लेयर ऑफ द मैच जबकि दीसी शर्मा को प्लेयर ऑफ द सीरीज का इनाम मिला।

एफआईएच नेशन्स कप में कौशल सुधारने का मौका मिलेगा: नेहा गोयल

नयी दिल्ली : भारतीय महिला हॉकी टीम की मध्य पंक्ति की खिलाड़ी नेहा गोयल का मानना है कि आगामी एफआईएच (अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ) महिला नेशन्स कप से उन्हें मैच के दौरान अपने कौशल को सुधारने का अच्छा मौका मिलेगा। नेशन्स कप का आयोजन 11 से 17 दिसंबर तक स्पेन के वालेंसिया में होगा। नेहा ने कहा- एफआईएच हॉकी महिला नेशन्स कप 2022 हमें कुछ अच्छी टीमों के साथ खेलने का मौका मिलेगा। इससे हमें मैदान पर प्रतिस्पर्धी समय बिताने का मौका मिलेगा। हम हाल के वर्षों में लगातार बड़ी टीमों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और स्पेन में हमारा लक्ष्य और बेहतर प्रदर्शन करना है। तोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान और फिर बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन कर रही है। नेशन्स कप में भारतीय टीम कनाडा, जापान और दक्षिण अफ्रीका के साथ पूल बी में है। पूल ए में आयरलैंड, मेजबान स्पेन, इटली और दक्षिण कोरिया की टीमें हैं। नेहा ने कहा- हम किसी भी टीम को हल्के में नहीं ले सकते। हर टीम किसी ना किसी मामले में बहुत खतरनाक होती है। हमें अपनी सर्वश्रेष्ठ हॉकी खेलनी होगी ताकि टीम अंतिम दौर में पहुंच सके। हर मैच एक नया दिन होता है और पिछले नतीजों का वर्तमान पर कोई असर नहीं पड़ेगा। भारत अपने अभियान की शुरुआत कनाडा के खिलाफ करेगा। टीम इसके बाद जापान और फिर दक्षिण अफ्रीका की चुनौती का सामना करेगी।

PKL 9 : जीत की हैट्रिक नहीं लगा सके स्टीलर्स, जयपुर ने 13 अंक से हराया

बेंगलुरू

हरियाणा स्टीलर्स श्री कांतिरवा इंडोर स्टेडियम में जारी वीवो प्रो कबड्डी लीग के नौवें सीजन में जीत की हैट्रिक नहीं लगा सके। शुक्रवार को खेले गए सीजन के 17वे मुकाबले में स्टीलर्स को पहले सीजन के चैंपियन जयपुर पिंक पैंथर्स के हाथों 31-44 के अंतर से हार मिली। दोनों टीमों का यह तीसरा मुकाबला था। हरियाणा को लगातार दो जीत के बाद पहली हार मिली और इसके लिए वे खुद जिम्मेदार हैं क्योंकि इस सीजन की अपनी दूसरी जीत हासिल करने वाली जयपुर की टीम ने उसे तीन बार (पहले हाफ में एक बार और दूसरे हाफ में दो बार) आलआउट किया। जयपुर को एक मैच में हार भी मिली है। अर्जुन देसवाल (14) एक बार फिर जयपुर की जीत के हीरो रहे। देसवाल को विंटेज राहुल चौधरी (7) का भी साथ मिला। डिफेंस में सुनील कुमार (6) ने शानदार हाई-5 लगाकर हरियाणा के मीतू (16) के सुपर-10 के साथ शानदार प्रदर्शन को बेअसर कर दिया। हरियाणा का डिफेंस इस मैच में सिर्फ 9 अंक ले सका, जो उसकी हार का प्रमुख कारण बना। बहरहाल, जयपुर ने 8 अंकों की लीड के साथ पहला हाफ समाप्त किया। इस हाफ की शुरुआत से अंत तक जयपुर को लीड मिली हुई थी। पीकेएल के असली सुपरस्टार राहुल चौधरी ने पहली ही रेड पर अंक लेने का जो सिलसिला शुरू किया, उसे उनके साथियों ने जारी रखा। शुरुआती 8 मिनट में ही जयपुर की टीम हरियाणा को आलआउट करने की कगार पर थी लेकिन सुशील और मीतू ने अर्जुन देसवाल के खिलाफ बेहतरीन सुपर टैकल न सिर्फ आलआउट टाला बल्कि स्कोर 8-9 कर दिया। फिर मंजीत ने अजीत कुमार को लपक स्कोर 9-9 कर दिया। यह पहला मौका था जब हरियाणा ने बराबरी की। अब जयपुर के लिए सुपर टैकल आन था। मीतू तीन के डिफेंस में डू ओर डाई रेड पर गए और लपक लिए गए। स्कोर 11-9 हो गया था। राहुल चौधरी ने अपनी दूसरी डू ओर डाई रेड पर अंक लिया और स्कोर 13-9 कर दिया। देसवाल दूसरी बार नहीं चूको और दो अंकों की रेड के साथ हरियाणा को आलआउट कर 17-11 की लीड दिला दी। अगली रेड पर अजीत के खिलाफ हरियाणा के डिफेंस ने गलती कर दो अंक लुटा दिए। इस हाफ में हरियाणा का रेडिंग विभाग सिर्फ 6 जबकि डिफेंस 4 अंक जुटा सका जबकि जयपुर ने अकेले रेडिंग में ही 13 अंक जुटाकर अंतर पैदा कर दिया। इस बीच, जयपुर के डिफेंडर सुनील कुमार ने हाई-5 पूरा किया। हरियाणा के लिए सुपर टैकल आन था।

देसवाल दो रेड खाली जाने के बाद डू ओर डाई रेड पर गए और अंक लेकर हरियाणा को फिर से आलआउट की ओर धकेल दिया। जयदीप और मीतू ने हालांकि देसवाल को लपक फिलहाल आलआउट टाल दिया।

संक्षिप्त समाचार

एमचैस रैपिड शतरंज - गुकेश नें विश्व नंबर 7 अनीश गिरि को हराया

नई दिल्ली (निकलेश जैन) चैम्पियन चैस टूर के वर्ष 2022 के आठवे पड़ाव एमचैस रैपिड शतरंज के पहले दिन चार राउंड खेले गए और पहले दिन के खेल के बाद उज्बेकिस्तान के वर्तमान विश्व रैपिड चैम्पियन नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव नें तीन जीत और 1 ड्रॉ के साथ 10 अंक बनाकर एकल बढ़त बना ली है ,जबकि 2 जीत एक ड्रॉ के साथ अजरबैजान के ममेद्यारोव ,नॉर्वे के मेगनस कार्लसन ,पोलैंड के यान डूड़ा ,जर्मनी के विन्सेंट केमर और रोमानिया के रिचर्ड रापोर्ट 7 अंक बनाकर सयुंक्त दूसरे से छठे स्थान पर चल रहे है । भारतीय खिलाड़ियों मे डी गुकेश सबसे ज्यादा 6 अंक बनाने मे सफल रहे ,गुकेश नें पहले तो स्पेन के अंटोन डेविड से ,भारत के अर्जुन एरिगासी और विदित गुजराती से बाजी ड्रॉ खेली और फिर नीदरलैंड के विश्व नंबर 7 अनीश गिरि को पराजित करते हुए 6 अंक बनाकर सातवे स्थान पर है जबकि 5 अंक बनाकर विदित गुजराती , अर्जुन एरिगासी और आदित्य मित्तल 5 अंक बनाकर आठवे से दसवें स्थान पर चल रहे है । पेंटला हरीकृष्णा के लिए पहला दिन अच्छा नहीं गया और वह 2 ड्रॉ और 2 हार के चलते 2 अंक बनाकर 15वे स्थान पर चल रहे है ।

टी 20 विश्व कप से पहले तकनीकी बदलाव करने की कोशिश कर रहा हूं : फिंच

मेलबर्न। खराब फॉर्म से जूझ रहे आस्ट्रेलिया के कप्तान आरोन फिंच ने कहा कि वह टी20 विश्व कप से पहले अपने खेल में कुछ तकनीकी बदलाव कर रहे हैं । हाल ही में आस्ट्रेलिया की वनडे कप्तानी छोड़ने वाले फिंच इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी20 मैचों में 25 रन ही बना सके । फिंच ने कप्तानों की प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' टी20 क्रिकेट में सलामी बल्लेबाज के लिये जोखिम भी है और पुरस्कार भी । आक्रामक खेलकर आप टीम को अच्छी शुरूआत दिला सकते हैं लेकिन यह हमेशा रणनीति के अनुरूप नहीं रहता । मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं । लंबे समय तक टी20 क्रिकेट खेलने पर पता चल जाता है कि उतार चढाव तो आयेंगे ही । फिंच ने कहा ,'' मैने कुछ तकनीकी बदलाव किये हैं और विश्व कप के लिये पूरी तरह से तैयार हूं ।'' आस्ट्रेलिया का सामना 22 अक्टूबर को सिडनी में न्यूजीलैंड से होगा। फिंच ने कहा कि उनके पास काफी संतुलित टीम है । उन्होंने कहा,''सिर्फ 11 खिलाड़ी ही विश्व कप नहीं जीतते, सभी 15 खिलाड़ियों का योगदान होता है । हमारे पास काफी संतुलित टीम है । टीम में कई मैच विनर हैं । बल्लेबाजी में भी और गेंदबाजी में भी ।'' आस्ट्रेलिया ने पिछली तीन में से दो टी20 श्रृंखलायें गंवाई हैं लेकिन फिंच ने कहा कि महत्वपूर्ण बात सही समय पर अच्छा प्रदर्शन करना है । उन्होंने कहा,''सही समय पर अच्छा प्रदर्शन जरूरी है । पिछले प्रदर्शन पर विश्लेषण करने का कोई फायदा नहीं । टीम में सभी को अपनी भूमिका पता होनी चाहिये और उसके अनुरूप प्रदर्शन करना जरूरी है।''

शाहीन के खिलाफ आक्रामक रणनीति से उतरें भारतीय बल्लेबाज : गंभीर

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा कि टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के मुख्य तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों को आक्रामक रुख अपनाना चाहिये। गंभीर ने कहा कि शाहीन की गेंदबाजी में विकेट बचाने की रणनीति से नुकसान ही होगा। टी-20 विश्व कप में 23 अक्टूबर को भारतीय टीम का पहला मुकाबा पाकिस्तान से होगा। माना जा रहा है कि इस टूर्नामेंट में शाहीन भारतीय बल्लेबाजों से सामने बड़ी चुनौती पेश करेंगे। इससे पहले वह घुटने की चोट के कारण एशिया कप के लिए टीम में शामिल नहीं थे। गंभीर ने कहा कि शाहीन के सामने विकेट बचाने की जगह आक्रामक होकर रन बनाने की रणनीत अपनानी होगी। साथ ही कहा कि जब आप विकेट बचाने के लिए खेलने लगोगे तो सब कुछ बहुत छोटा हो जाएगा। बैकलिफ्ट, फुटवर्क सब जबकि टी-20 क्रिकेट में इस सोच के साथ नहीं खेला जा सकता। उन्होंने कहा कि मुझे मालूम है कि वह खतरनाक गेंदबाज है पर जीत के लिए भारतीय बल्लेबाजों को उसके खिलाफ रन बनाने ही होंगे। भारत

के पास तीन से चार शीर्ष स्तर के बल्लेबाज हैं जो शाहीन पर भारी पड़ सकते हैं। वहीं भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने गेंदबाजों से कहा है कि पाक कप्तान बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को शॉट के लिए जगह बनाने मत दो। रिजवान पावरप्ले में आक्रामक रुख अपनाता है, वहीं आजम संभल कर खेलना है। इसलिए इसी को देखते हुए इनके खिलाफ गेंदबाजी करनी होगी।

टी-20 विश्व कप: लोग हमें क्या कहते हैं, उसका कोई विकल्प नहीं: विलियमसन

मेलबर्न: न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन हर विश्व कप प्रतियोगिता से पहले अपनी टीम को फेवरेट नहीं माने जाने से बेफिक्र हैं। उन्होंने कहा कि उनके पास इस बात का कोई विकल्प नहीं है कि लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं और वह सिर्फ क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। विलियमसन ने टी-20 विश्व कप से पहले सभी कप्तानों के कार्यक्रम में कहा,हमारे पास वास्तव में कोई विकल्प नहीं है कि लोग हमें क्या कहते हैं, हम यहां खेलने आए हैं और हम गेम पर ध्यान केंद्रित करने का प्रयास करेंगे, जिसे हम खेलना चाहते हैं और जो हमारे सामने है उससे हम मुकाबला करेंगे। हमनें कुछ समय पहले विश्व कप का फाइनल खेला। यह हमारे लिए एक शानदार पल था और इस तरह के टूर्नामेंट का हिस्सा बनना हमेशा बहुत खास होता है। विलियमसन ने आगे कहा,हर किसी के पास अलग-अलग टैग और रैंकिंग होती है जो साल भर ऊपर और नीचे जाती है और मुझे लगता है कि वे अलग-अलग नामों के साथ समाप्त होते हैं। ऐसे टूर्नामेंट्स मे कुछ भी हो सकता है, आप खेल में कभी भी ऊपर आ सकते हैं । गौर हो कि न्यूजीलैंड का पिछले कुछ समय से आईसीसी टूर्नामेंट्स में शानदार रिकॉर्ड रहा है। वे पिछले दो एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में उपविजेता रहे हैं, 2021 टी-20 विश्व कप में उपविजेता रहे और पिछले साल इंग्लैंड में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप जीती। फिर भी, प्रशंसक विलियमसन एंड कंपनी को ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप ट्रॉफी जीतने के प्रबल दावेदार के रूप में नहीं देख रहे हैं।

बुमराह का करियर ज्यादा महत्वपूर्ण : रोहित

पर्थ । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 विश्वकप में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना उतरने को लेकर कहा कि विश्वकप अहम है पर उससे भी महत्वपूर्ण बुमराह का अपने करियर के लिए फिट होना है। रोहित ने कहा कि बुमराह हमारे मुख्य तेज गेंदबाज है और हमें उनकी कमी खलेगी पर उससे भी अहम उनका करियर है। रोहित ने कहा, 'जहां तक बुमराह की बात है तो उन्होंने हमारे लिए अच्छा प्रदर्शन किया है पर आप चोटों के बारे में कुछ नहीं कर सकते। हमने विशेषज्ञों से बात की और उन्होंने उन्हें आराम की सलाह दी है। विश्व कप महत्वपूर्ण है नी उनका करियर उससे भी अधिक अहम है। वह अभी युवा हैं और हम उनके करियर को खतरे में नहीं डाल सकते क्योंकि अभी उनमें काफी क्रिकेट बाकी है।' वहीं इससे पहले शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आधिकारिक रुप से दिये अपने बयान में कहा कि बुमराह की जगह मोहम्मद शमी को टीम में शामिल किया गया है। बुमराह अभी राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में उपचार करा रहे है। उनकी चिकित्सा रिपोर्ट के आधार पर ही बोर्ड ने यह फैसला किया है जिसमें कहा गया है कि यह तेज गेंदबाज अभी अगले कई महीनों तक क्रिकेट नहीं खेल पायेगा।

PKL 9 : पुनेरी पल्टन को 10 अंक से हराकर गुजरात जाएंट्स ने खोला जीत का खाता

बेंगलुरू।

गुजरात जाएंट्स ने श्री कांतिरवा इंडोर स्टेडियम में जारी वीवो प्रो कबड्डी लीग के नौवें सीजन के 18वें मुकाबले में शुक्रवार को पुनेरी पल्टन को 47-37 के अंतर से हराकर अपनी जीत का खाता खोल लिया है। तीन मैचों में गुजरात की पहली जीत है जबकि ईरानी दिग्गज फजल अतराचली की वापसी के बावजूद पल्टन का खाता नहीं खुल सका है। दोनों टीमों का यह तीसरा मुकाबला था। इससे पहले दोनों को एक-एक मैच में जीत मिली थी जबकि एक-एक मैच टाई रहा था। अब गुजरात ने इस जीत के साथ अंक तालिका में पांच स्थान की छलांग लगाई है। गुजरात की जीत के हीरो एचएच राकेश (15 अंक) रहे, जिन्होंने लगातार तीसरे मुकाबले में सुपर-10 पूरा किया। सौरव गुलिया ने हाई-5 लगाकर उनका साथ दिया। सीजन में पहली बार ईरानी सुपरस्टार डिफेंडर फजल अतराचली की देखरेख में खेल रही पल्टन के लिए असलम इनामदार (19 अंक) ने एक बार फिर चमक दिखाते हुए लगातार दूसरा सुपर-10 पूरा किया लेकिन डिफेंस की कमजोरी के कारण वह तीन बार टीम को ऑल आउट होने से नहीं बचा सके, जो कि हार का मुख्य कारण बना। फजल की वापसी के बावजूद गुजरात ने शुरुआत 4-0 की लीड के साथ की थी लेकिन पल्टन ने लगातार चार अंकों के साथ पांच मिनट की समाप्ति तक स्कोर 4-4 कर लिया। बराबरी का अंक मोहित ने डू ओर डाई रेड पर लिया। गुजरात ने जल्द ही एक लेकर स्कोर 5-4 किया और फिर एचएस राकेश ने दो अंकों की रेड के साथ लीड 3 की कर दी। फजल के आने से असलम पर से कप्तानी का दबाव कम हुआ 10वें मिनट में पहला रेड अंक लेने के बाद वह खुलकर सामने आए। इस बीच, राकेश ने एक बार फिर दो अंकों के साथ पल्टन को ऑल आउट की ओर धकेल दिया। पल्टन के लिए सुपर टैकल आन था। राकेश की रेड के दौरान बालासाहेब जाधव सेल्फ आउट हो गए। पल्टन असलम की जगह बादल को लेकर आए लेकिन वह पल्टन का ऑल आउट नहीं टाल सके। गुजरात ने 16-11 की लीड ले ली। ऑलआउट के बाद मोहित और असलम ने पल्टन को लगातार पांच अंक दिलाए। स्कोर 16-17 हो गया

था। फिर डू ओर डाई रेड पर फजल ने चंद्रन रंजीत को लपक अपनी टीम को बराबरी पर ला दिया। गुजरात सुपर टैकल पर थे। मोहित फिसले और गुजरात ने दो अंकों के साथ 19-17 के साथ पहला हाफ समाप्त किया।

सेन डियागो में पोलैंड की इगा स्वीटेक रिटर्न शॉट लगाती हुई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

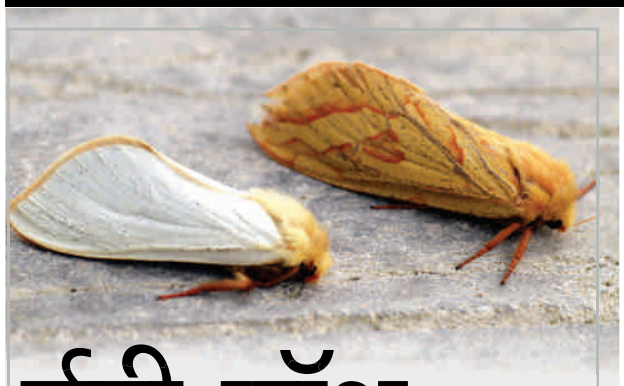

ईरी मॉथ : यह है दुनिया का सबसे बड़ा पतंगा

ब्राजील में पाए जाने वाले इस पतंगे को दुनिया में सबसे बड़े कीट का दर्जा प्राप्त है। इसे ईरी मॉथ, ग्रेट ऑवलेट माथ, घोस्ट मॉथ, वाइट व्हिच, ग्रेट ग्रे विच जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है। पतंगों की दुनिया में इसके पंख सबसे लंबे होते हैं, जिनक आकार 30 सेंटीमीटर तक होता है। हालांकि हरक्यूलिस माथ और एटलस माथ के पंखों का क्षेत्रफल ज्यादा होता है।

जीवन सिर्फ दो हफ्तों का

इसके पंखों पर बने विशिष्ट आकार के पैटर्न इसे ट्रॉपिकल जंगलों में पेड़ों के बीच छिपने में मदद करते हैं। यह इतना बड़ा पतंगा भी शिकारियों की नजर से बचा रहता है। इसके इसी छद्मावरण के कारण इसे देखना बड़ा मुश्किल होता है। पंखों का रंग क्रीमी वाइट या हल्का भूरा होता है, जिन पर कई बादामी और काली धारियां जिगजैग पैटर्न बनाती हैं। नर में ये पैटर्न ज्यादा स्पष्ट होते हैं। उनका जीवन काल एक-दो सप्ताह तक ही होता है।

पेड़ों की पत्तियों पर देती है अंडे

इनकी मादाएं रबर के पेड़ और केसिया जैसे पेड़ों की पत्तियों पर अपने अंडे देती हैं, जिनसे निकलने वाले लार्वा इन्हीं की पत्तियों को खाकर बड़े होते हैं। ये युवा बन प्यूपा बनाते हैं। ये पतंगे ऊरग्वे से लेकर मेक्सिको और कभी-कभी टैक्सास तक पहुंच जाते हैं।

सांस्कृतिक मान्यताएं

दक्षिण अमेरिका की कई संस्कृतियों में यह मान्यता है कि यह पतंगे छिपी हुई अदृश्य दुनिया के संदेशवाहक हैं। वहां के लोगों का मानना है कि मृत लोगों की आत्माओं को ये अपने विशाल पंखों पर धारण करती है।

रोमांच का दूसरा नाम मसाई मारा

रोमांच के शौकीनों के लिए मसाई मारा किसी स्वर्ग से कम नहीं है। सुबह सूरज की पहली किरणों के साथ अफ्रीका के कुछ सर्वाधिक खूबसूरत नजारे मसाई मारा में नजर आने लगते हैं। पर्यटन केन्या की आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है जिसके बाद फूलों, कॉफी तथा चाय के निर्यात से होने वाली आय है। ट्रकेन्या में पर्यटन उद्योग हाल के दिनों में एक बार फिर अपने पैरों पर खड़ा होने लगा है, जब 2008 में केन्या में मची उथल-पुथल तथा खून-खराबे ने यहां सफारी पर्यटन को भारी नुक्सान पहुंचाया था।

पहली बार मसाई मारा आने वाले लोग इसके अनोखेपन से अभिभूत हुए बिना नहीं रह पाते हैं। करीब स्थित तंजानिया के सैरेंगेटी से बेशक ग्नू (हिरण की प्रजाति के जानवर) के झुंड इन दिनों यहां नहीं पहुंच रहे हों, फिर भी यह राष्ट्रीय उद्यान अनेक जानवरों की तस्वीरों से भरी किसी सुंदर पुस्तक जैसा प्रतीत होता है। जो लोग यहां करीब 30 साल पहले आ चुके हैं, वे याद कर सकते हैं कि तब यहां पहुंचने के लिए राजधानी नैरोबी से कार में 250 किलोमीटर का सफर तय करके पहुंचना पड़ता था परंतु अब सीधे हवाई जहाज में यहां पहुंचा जा सकता है।

पहले की तुलना में वे यहां कई अंतर देख सकते हैं। मसाई मारा तक जाने वाले रास्ते के दोनों तरफ अब बाड़ों में घिरे गेहूं के खेत तथा पालतु पशुओं के झुंड दिखाई देते हैं। अब यहां पहले की तुलना में जानवर भी कहीं कम हैं। केन्या में बढ़ती जनसंख्या का दबाव अब जंगलों तक पहुंच चुका है। 1980 से अब तक केन्या की जनसंख्या 150 प्रतिशत बढ़ कर 4 करोड़ 10 लाख तक पहुंच चुकी है। लोगों को रहने के लिए स्थान भी चाहिए और भोजन भी, जिसका विपरीत असर जंगलों और उनमें रहने वाले जीवों पर साफ नजर आता है। केन्या के जंगलों में खूब सारे जानवर हैं तो कुछ शिकारी भी हैं परंतु अभी यहां जानवरों का शिकार नियंत्रण में है। वैसे भी मसाई लड़ाके (मूल निवासी या यहां रहने वाले आदिवासी) प्राचीन काल से भाले से शेर का शिकार करके अपनी मर्दानगी साबित करते आए हैं। केन्या की जैव विविधता पर नजर रखने वाले कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान में गैर-कानूनी रूप से चरने वाले पशुओं की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। 1977 से अब तक यह संख्या 10 गुणा बढ़ चुकी है। दूसरी तरफ वन्य जीवों की संख्या में दो-तिहाई कमी आई है। इस संबंध में जारी पहले दीर्घकालीन अध्ययन के नतीजों पर कई लोगों ने आपत्ति भी जाहिर की है परंतु जानकारों का कहना है कि नतीजों में दिख रहे नकारात्मक रुझानों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है और पिछले 35 सालों के दौरान सम्पूर्ण मसाई क्षेत्र में जंगली जानवरों की संख्या में 80 प्रतिशत तक कमी आई है। काफी सारा जंगली इलाका किसानों को पशु चराने तथा खेती के लिए सौंप दिया गया है। वे जंगल जिनमें मूल मसाई लोग खेती किया करते थे तथा जो उनके संरक्षण में रहते थे, अब तेजी से काटे जा रहे हैं। केन्या के जंगलों के समक्ष इन चुनौतियों तथा चिंताओं के बावजूद भी मसाई मारा की यात्रा एक अविस्मरणीय अनुभव बन जाती है। जंगल में रात गुजारने के लिए अनेक बंदोबस्त हैं परंतु उनमें से अधिकतर काफी महंगे हैं। वहां लॉज तथा तम्बू भी मिल जाते हैं और वे भी विभिन्न तरह के। यहां पर्यटकों के लिए कई कैम्प लगे रहते हैं। ऐसे ही एक मारा बुश कैम्प में हर तम्बू में एक काऊबैल लगाई गई है ताकि किसी जानवर के करीब आने पर अलार्म बज जाए क्योंकि इस कैम्प के चारों ओर कोई बाड़ नहीं लगी है। इससे पहले कि आप यहां किसी रेस्तरां या कैम्प फायर तक जाने के लिए निकलें, अपने साथ भाले से लैस किसी स्थानीय मसाई लड़ाके को ले जाना न भूलें।

केन्या का मसाई मारा राष्ट्रीय उद्यान जैव विविधता तथा तरह-तरह के जीव-जंतुओं के लिए दुनिया भर में मशहूर है। रोमांचक अनुभवों का शौक रखने वाले पर्यटक यहां तम्बुओं में रात बिताते हैं। रात में करीब ही लक्कड़बग्घों के गुर्राने की आवाजें सुनाई पड़ती हैं तो दरियाई घोड़े तम्बुओं को सूंघ कर आगे बढ़ जाते हैं। कहीं न कहीं से रह-रह कर शेर की दहाड़ भी कानों में पड़ती रहती है। इस जंगल में हाथियों, जंगली भैंसों तथा चीतों की भी कोई कमी नहीं है।

जमीन पर रेंग कर चलने वाली पर्च मछली

'मछली जल की रानी है, जीवन उसका पानी है,हाथ लगाओ डर जाएगी, बाहर निकालो मर जाएगी' मछलियों के बारे में भले ही आपने बचपन से ही ये बातें सुनी हों अर्थात यह कहा जाता रहा है कि बिना जल के मछली के जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती लेकिन 'पर्च' नामक मछली की एक प्रजाति ऐसी भी है, जो न सिर्फ पानी से बाहर भी 12 घंटे तक जीवित रह सकती है बल्कि जमीन पर रेंग कर चल भी सकती है। अन्य प्रकार की मछलियों को पक्षी भले ही न छोड़ें पर पर्च मछली को पक्षी नहीं खाते।

कारण है पर्च में पाए जाने वाले कांटे। आपको यह जानकर भी बड़ी हैरानी होगी कि इस मछली को सबसे पहले किसी जलस्रोत में नहीं बल्कि खजूर के एक पेड़ पर देखा गया था, यही वजह है कि इसे 'आरोही' मछली भी कहा जाता है। पूरे भारतीय प्रायद्वीप में पाई जाने वाली पर्च मछली ताजे पानी की मछली है जो हमेशा एक बेहतर घर की तलाश में रहती है। इसके शरीर में एक विशेष अंग होता है जिसके जरिए यह पानी के बाहर भी सांस ले पाती है। इसके गलफड़े अच्छी तरह विकसित नहीं होते। यही वजह है कि इसे सांस लेने के लिए बार-बार पानी की सतह पर आना पड़ता है। यदि पानी स्थिर हो जाए या फिर ज्यादा दूषित हो जाए तो यह पानी से बाहर आकर नए घर की तलाश शुरू कर देती है। पानी से बाहर यह करीब 12 घंटे तक जीवित रह सकती है, बशर्ते कि इसके गलफड़े तब तक गीले रहें। पानी से बाहर सांस लेने की अपनी अद्भुत क्षमता के कारण ही यह मछली वापस अपना रास्ता खोज लेती है।

हवाओं का सबसे खतरनाक स्वरूप हरीकेन या टायफून

किसी चैनल पर या मूवी तुमने भी हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए देखा होगा। इन्हें तुमने कई बार डिस्कवरी चैनल पर या किसी हॉलीवुड मूवी में भी देखा होगा। जमीन के साथ-साथ ये तूफानी बादलों की सतह से भी जुड़े हुए मालूम होते हैं। टॉरनेडो के अलावा इसे सायक्लोन या टिवस्टर भी कहा जाता है। ये सारी चीजों को ट्विस्ट करता हुआ जो उठता है। दूर से देखो तो ऐसा लगता है मानो बादल से किसी ने एक बड़े से कपड़े को जमीन पर खड़े किसी हाथ में में पकड़ा दिया हो और बादल और जमीन दोनों मिलकर उस कपड़े को निचोड़ रहे हों। वहीं सायक्लोन नाम का उपयोग मेटरोलॉजी यानी मौसम विज्ञान में ज्यादा बड़े तूफान के मामले में किया जाता है। हिंदी में ये चक्रवात या बवंडर कहलाते हैं। यूं टॉरनेडो नाम स्पेनिश शब्द 'ट्रोनाडा'' से बना है जिसका मतलब है 'थंडरस्ट्रॉम।'' टॉरनेडो अलग-अलग साइज के हो सकते हैं पर इनका आकार तुम्हारी कैमेस्ट्री लैब में मौजूद फनल के जैसा होता है। जमीन की तरफ से संकरा और आसमान की ओर खुला हुआ। ये धूल का बड़ा सा गुबार होते हैं। सायक्लोन उन जगहों पर ज्यादा पैदा होते हैं जो जगहें इक्वेटर से पास हैं और ध्रुवों की तरफ यानी इक्वेटर से दूर जगहों पर ये कम पाए जाते हैं। हमारे देश में ये बंगाल की खाड़ी के पास वाले इलाकों में ज्यादा दिखाई देते हैं। वैसे अंटार्कटिका के अलावा ये लगभग हर कॉन्टिनेंट में मिलते हैं। इनकी सबसे ज्यादा संख्या पाई जाती है अमेरिका के 'टॉरनेडो ऐली'' रीजन में। वैसे उत्तरी अमेरिका में इनका होना बहुत आम है। इनके आने का पता लगाने के लिए 'पल्स डॉप्लर राडार'' की मदद ली जाती है और इन्हें नापने के लिए कई तरह की फ्यूजिटा या टॉरो जैसी स्केल्स का उपयोग किया जाता है।

सामान्यतः किसी एक तूफान से एक से ज्यादा टॉरनेडो भी पैदा हो सकते हैं। ऐसे में इन्हें टॉरनेडो फैमेली भी कहा जाता है। यही नहीं जिस जगह टॉरनेडो बन रहे हैं उस जगह के नेचर के हिसाब से इनका रंग भी अलग-अलग हो सकता है। जैसे पानी के ऊपर उठने वाले टॉरनेडो सफेद या नीले हो सकते हैं तो कभी मिट्टी पर उठने के कारण ये लाल रंग के भी हो सकते हैं। है यह भी चक्रवात या सायक्लोन का ही एक रूप लेकिन इसका रिजल्ट भारी बारिश और बाढ़ वाले तूफान के रूप में दिखाई देता है। यानी ये पानी का खतरनाक रूप हैं। इन्हें भी तुमने कई हॉलीवुड मूवीज में देखा होगा। ये ट्रॉपिकल सायक्लोन कहलाते हैं जो कि मैक्सिको की खाड़ी, कैरेबियन सी, पूर्वी प्रशांत महासागर यानी ईस्टर्न पेसिफिक ओशियन तथा दक्षिणी अटलांटिक ओशियन जैसी जगहों पर जन्म लेते हैं। समुद्र की सतह पर मौजूद भाप से ये एनर्जी पाते हैं। इससे ही फिर भयानक बारिश वाले बादल आकार लेते हैं। इन्हें हरीकेन और टायफून के अलावा ट्रॉपिकल स्टॉर्म, ट्रॉपिकल डिप्रेशन आदि नामों से भी जाना जाता है। खास बात यह कि जमीन पर आने के बाद ये कमजोर पड़ जाते हैं क्योंकि उस समय ये अपने एनर्जी के सोर्स से यानी समुद्र की सतह से अलग होने लगते हैं। इनके बनते समय हवा पानी की सतह से ऊपर उठने की बजाय पानी के भीतर जाकर गोल, घुमावदार रूप ले लेती है।

इससे पानी पर एक खाली जगह बन जाती है जिसे 'आई'' यानी आंख कहा जाता है। दुनियाभर में ये तूफान आमतौर पर गरमी के मौसम के विदा लेते समय पैदा होते हैं जब समुद्र की सतह का तापमान सबसे ज्यादा होता है और भाप तेजी से बनती है। हालांकि, इसके अलावा भी अलग-अलग जगह इनका अलग सीजन हो सकता है। जमीन पर मौजूद डॉप्लर वेदर राडार के अलावा वेदर सैटेलाइट के जरिए भी इनके आने की सूचना मिल सकती है।

इनका टायफून नाम अरबी भाषा के 'तूफान'' शब्द से लिया गया है जिसे हिंदी और उर्दू में भी उपयोग में लाया जाता है। तूफान शब्द असल में ग्रीक मायथोलॉजी में तूफान के एक राक्षस 'टायफोन'' से भी जुड़ता है। वहीं हरीकेन शब्द स्पेनिश भाषा से आया है और तूफानों के देवता 'हुराकान'' को दर्शाता है। सबसे मजेदार बात यह है कि इन तूफानों की पहचान के लिए इनको बकायदा नाम दिए जाते हैं।

किसी न्यूज चैनल पर या मूवी में जब हवाओं का एक स्पिन करता हुआ गोला तेजी से पेड़, कार, जानवरों सबको खाते हुए दिखता है तो लगता है जैसे प्रकृति गुस्से से लाल-पीली नहीं बल्कि काली और भूरी हो रही है। हवा और पानी के रौद्र रूप का ये भी एक उदाहरण है। ये वो तूफान हैं जो अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को तोड़-मरोड़ कर खत्म कर देते हैं। इन तूफानों के समय हवा की रफ्तार 150 मील प्रति घंटा और इससे कहीं ज्यादा तक हो सकती है। जानो इन खास तूफानी रूपों के बारे में और समझो इनके पीछे का विज्ञान।

'हैरी पॉटर' में हैग्रिड का किरदार निभाने वाले अभिनेता रॉबी कॉलट्रेन का निधन

लंदन। 'हैरी पॉटर' श्रृंखला की फिल्मों में हैग्रिड का यादगार किरदार निभाने वाले हास्य एवं चरित्र अभिनेता रॉबी कॉलट्रेन का निधन हो गया है। कॉलट्रेन की एजेंट बेलिंडा राइट ने यह जानकारी दी। वह 72 वर्ष के थे। राइट ने बताया कि कॉलट्रेन का शुक्रवार को स्कॉटलैंड के एक अस्पताल में निधन हो गया। हालांकि, उन्होंने अभिनेता के निधन के बारे में कोई और जानकारी नहीं साझा की। 'हैरी पॉटर' श्रृंखला के उपन्यासों की लेखिका जे के रोलिंग ने कॉलट्रेन को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वह हैग्रिड के किरदार के लिए पहली पंसद थे। रोलिंग ने ट्वीट किया, 'कॉलट्रेन बहुत ही प्रतिभाशाली अभिनेता थे। उनके साथ काम करना बहुत ही सौभाग्य की बात थी। वह बहुत ही हंसमुख और उदार थे।' कॉलट्रेन का असली नाम एंटनी रॉबर्ट मैकमिलन था और उनका जन्म स्कॉटलैंड के रुथनग्लेन में हुआ था। कॉलट्रेन ने अपनी उम्र के दूसरे दशक में अभिनय की शुरुआत की थी। उन्होंने संगीतकार जॉन कॉलट्रेन के सम्मान में अपना नाम बदला था।

चीन- राष्ट्रपति शी जिनपिंग की पद से हो सकती है रवानगी, पार्टी में उठे विरोध के स्वर!

बीजिंग । चीन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग हैट्रिक लगाने जा रहे हैं वे तीसरी बार सत्ता पर आरूढ़ होने की तैयारी कर रहे हैं। लेकिन इस तैयारी से पहले चीन में ऐसी अफवाहें भी फैलीं कि सेना तख्तापलट कर सकती है। शी जिनपिंग को अपनी राष्ट्रपति वाली कुर्सी छोड़नी पड़ सकती है। कम्युनिस्ट पार्टी किसी दूसरे शख्स को राष्ट्रपति बनाएगी। अब एक तरफ अगर इन अटकलों ने पूरी दुनिया को हैरत में डाल दिया तो दूसरी तरफ चीन की धरती से शी जिनपिंग के खिलाफ उठ रहे विरोध के सुर ने भी कई सवाल खड़े कर दिए।

जिस चीन में मीडिया पर पूरा कंट्रोल रखा जाता है, जहां पर प्रदर्शन शुरू होने से पहले समाप्त कर दिए जाते हैं, वहां पर इस समय शी जिनपिंग के खिलाफ खुला विरोध प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। ये प्रदर्शन भी तब शुरू हुआ है जब शी जिनपिंग इतिहास रचने जा रहे हैं। वे लगातार तीसरी बार चीन के राष्ट्रपति बननें के ख्वाब देख रहे हैं। लेकिन उनके इस ख्वाब के बीच में विरोध के सुर भी तेज हो गए हैं। मांग की जा रही है कि चीन को नया राष्ट्रपति मिले, शी जिनपिंग अपने पद से इस्तीफा दे दें। बीजिंग में दो बड़े बैनर लगाए गए हैं। उन बैनर पर लिखा है कि कोविड टेस्ट को ना बोलो, खाने को हां बोलो। लॉकडाउन को ना बोलो, आजादी को हां बोलो। झूठ को ना बोलो, सम्मान को हां बोलो। सांस्कृतिक क्रांति को ना बोलो, रिफॉर्म को हां बोलो। महान नेताओं को ना बोलो, वोट के अधिकार को हां बोलो। गुलाम नहीं, नागरिक बनें। अब ये सब कुछ चीन में हो रहा है। वहां पर वर्तमान सरकार के खिलाफ बैनर लग रहे हैं, लोगों को सरकार के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। चीन की एक सड़क पर फ्लाइओवर पर एक बड़ा बैनर लगा दिया गया है। उस पर लिखा है कि स्ट्राइक पर चले जाओ, इस तानाशाह और गद्दार शी जिनपिंग को हटाओ। अब ये तो सिर्फ कुछ बैनर हैं, लेकिन असल माहौल तो इन बैनर पर मिलने वाली प्रतिक्रियाओं ने साफ कर दिया है। सोशल मीडिया पर हैशटैग एसएडब्ल्यू इट ट्रेंड कर रहा है। ये एक तरह का चीनी सरकार पर तंज है जो सबकुछ सेंसर करने पर आमादा रहती है, जहां पर बिना फिल्टर लोगों तक कुछ नहीं पहुंचता है।अभी तक चीन में ये साफ नहीं है कि आखिर ये विरोध प्रदर्शन कर कौन रहा है, किसके लिए कर रहा है, किसके जरिए कर रहा है? दावे तो अलग-अलग होते दिख रहे हैं, लेकिन प्रदर्शनकारी की पहचान को लेकर कुछ भी स्पष्ट नहीं है। वैसे चीन में इस समय सिर्फ ये बैनर वाला विरोध प्रदर्शन नहीं हो रहा है। कुछ दिन पहले तक तख्तापलट की खबरों ने ऐसा जोर पकड़ा था कि शी जिनपिंग की विदाई के अनुमान लगने लगे थे।

भारतीय मूल के हजारों यहूदी इजराइल में राष्ट्रीय अधिवेशन के लिए इकट्ठा हुए

पेटा टिकवा। चार प्रमुख समुदायों से जुड़े भारतीय मूल के हजारों यहूदी भारतीय यहूदियों पर केंद्रित छठे राष्ट्रीय अधिवेशन में हिस्सा लेने के लिए बृहस्पतिवार शाम को उत्तरी इजराइल के पेटा टिकवा शहर में एकत्रित हुए। इस दौरान भोजन, संगीत, नृत्य, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, योग कार्यशाला के साथ कई सांस्कृतिक प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। अधिवेशन को लेकर समुदाय में उत्साह ऐसा था कि आयोजन की घोषणा के कुछ ही दिनों के भीतर पंजीकरण की आवंटित संख्या पूरी हो गई थी। समुदाय इस कार्यक्रम का आयोजन इजराइल में भारतीय दूतावास और पेटा टिकवा की नगर पालिका के सक्रिय सहयोग से कर रहा है। पेटा टिकवा के मेयर रामी ग्रीनबर्ग ने इजराइल में भारतीय यहूदी समुदाय की भूमिका की सराहना करते हुए कहा, ''उन्होंने हर संभव तरीके से देश के विकास में योगदान दिया है। इसमें रक्षा, राजनीति और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में भारत के साथ इजराइल के मजबूत रणनीतिक संबंध भी शामिल हैं।'' ग्रीनबर्ग ने कहा, ''यह देखकर बहुत अच्छा लगता है कि कैसे भारत के बेने मेनाशे, बेने इजराइल, कोचीन और बगदादी यहूदी अपनी जड़ों से संपर्क बनाए रखने में कामयाब रहे हैं।'' भारतीय दूतावास के प्रभारी राजदूत राजीव बोडवाडे ने अधिवेशन को ''समृद्ध विविधता और भारतीय मूल के यहूदियों के चार प्रमुख समुदायों की अनूठी परंपराओं की स्वीकृति'' के रूप में वर्णित किया। बोडवाडे ने कहा, ''भारतीय यहूदी समुदाय काफी हद तक अपने तक ही सीमित थे और अपने भारतीय मूल और संस्कृति का जश्न मनाने के लिए विशेष कार्यक्रम और समारोह आयोजित करते थे। लेकिन अब भारत सरकार के प्रयासों से चार समुदाय एक साथ आए हैं और पिछले एक दशक में संयुक्त रूप से भारतीय यहूदियों के पांच राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन किया है।

पाक अस्पताल की छत पर सड़ रहीं 200 लाशें, अधिकारी बोले इसके लिए पुलिस जिम्मेदार

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के मुल्तान शहर के एक अस्पताल की छत से करीब 200 लाशें बरामद की गई हैं। पाक मीडिया में आई खबरों के मुताबिक मुल्तान के निश्तार अस्पताल के मुर्दाघर की छत से मानव शरीर के सैकड़ों अंग बरामद किए गए हैं। सरकार ने इस मामले में जांच के आदेश दिए हैं। निश्तार अस्पताल के एक शीर्ष अधिकारी ने अस्पताल की छत पर लाशों के सड़ने के लिए पुलिस और रेस्क्यू अधिकारियों को दोषी ठहराया है। लाशों के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अस्पताल की छत पर अज्ञात शवों की जानकारी मिलने के बाद पंजाब और निश्तार मेडिकल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर ने अलग-अलग समितियों का गठन किया है। वेबसाइट से बात करते हुए मेडिकल यूनिवर्सिटी के एनाटॉमी विभाग की प्रमुख डॉ मरियम अशरफ ने कहा कि मुर्दाघर की छत पर लाशों के जमा होने के लिए रेस्क्यू अधिकारियों और पुलिस को जिम्मेदार ठहराया गया है। उन्होंने कहा कि मुर्दाघर लाशों को स्वीकार करने से इनकार नहीं कर सकता क्योंकि यह उन्हें रखने के लिए बाध्य है। अधिकारी ने कहा कि पुलिस और रेस्क्यू अधिकारी हमें इन्हें अस्पताल में रखने के लिए कहते हैं और समय से इन्हें वापस लेकर नहीं जाते। हमारे पास लिखित दस्तावेज हैं जिनमें हमने उन्हें लाशों को ले जाने के लिए कहा है। अस्पताल की अधिकारी ने कहा कि पुलिस से मिलने वाले शव आमतौर पर सड़ जाते हैं और उन्हें मुर्दाघर में नहीं रखा जा सकता है। धीरे-धीरे कीड़े लाशों को खाना शुरू कर देते हैं और एक से दूसरी लाश पर पहुंच जाते हैं। इसलिए सड़ती हुई लाशों को छत पर रखा जाता है जहां तीन कमरे हैं। अधिकारी ने एनजीओ पर भी लाशों को वापस नहीं लेने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लाशों को छत पर रखने का एकमात्र कारण यह है कि उनकी आमद बहुत ज्यादा है और पुलिस थानों में उनकी वापसी की संख्या बहुत कम है। हालांकि उन्होंने छत पर 200 लाशों की संख्या को खारिज किया। मरियम ने कहा कि मैं साफ कर दूं कि सिर्फ कुछ ही लाशें ऊपर रखी गई हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री के सलाहकार ने कहा कि एक मुखबिर ने उन्हें छत पर सड़ती हुई लाशों के बारे में सूचना दी थी।

तुर्की- एक कोयला खदान में भीषण धमाका, 22 की दर्दनाक मौत, 50 अन्य अब भी फंसे

अंकारा । तुर्की में एक कोयला खदान में भीषण दुर्घटना में डेढ़ दर्जन से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है। शुक्रवार देर शाम इस एक कोयला खदान में भीषण विस्फोट होने के बाद कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों खनिक उसमें फंस गए। अधिकारियों ने जानकारी दी कि खदान में बने मिथैन गैस की वजह से यह हादसा हुआ होगा। यह घटना तुर्की के काला सागर तट की है, जहां बचाव दल खदान में फंसे मजदूरों को निकालने के लिए सर्च ऑपरेशन चला रहा है। तुर्की के स्वास्थ्य मंत्री फहार्टिन कोका ने इस हादसे को तुर्की की सबसे घातक औद्योगिक दुर्घटनाओं में से एक बताया और कहा कि खदान में से जिंदा निकाले जाने के बाद आठ लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं, आंतरिक मंत्री सुलेमान सोयलू ने कहा कि इस खदान में कुल 110 लोग काम कर रहे थे। इनमें से कुछ खुद बाहर आ गए, कुछ को बचाया गया और कुछ लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि लगभग 50 खनिक जमीन के नीचे 300 और 350 मीटर (985 से 1,150 फीट) के बीच दो अलग-अलग क्षेत्रों में फंसे हुए हैं।

चीन के सियुहान प्रांत में एक 2 डी राकेट करियर से उपग्रह छोड़ा गया।

यूक्रेन को 72.5 करोड़ डॉलर की अतिरिक्त सैन्य सहायता देगा अमेरिका

वाशिंगटन । व्हाइट हाउस ने कहा है कि राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन यूक्रेन को 72.5 करोड़ डॉलर के अतिरिक्त हथियार और अन्य सैन्य सहायता प्रदान करेगा। यह घोषणा उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की बैठकों के बाद की गई। नाटो की बैठकों में यूरोप और दुनियाभर के रक्षा नेताओं ने कीव तथा अन्य क्षेत्रों में रूस की बमबारी बढ़ने के बीच यूक्रेन को हथियार व हवाई रक्षा प्रणालियां मुहैया कराने का संकल्प लिया है। अधिकारियों ने बताया कि अमेरिका के सैन्य पैकेज में कोई प्रमुख नया हथियार शामिल नहीं है। इसके बजाय अमेरिकी मदद का मकसद उन हथियार प्रणालियों के लिए हजारों गोला-बारूद का पुन- भंडारण करने में सहायता देना है, जिनका यूक्रेन ने रूस के खिलाफ सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया है। नए पैकेज में 'हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम्स' (एचआईएमएआरएस) के लिए गोले-बारूद देना शामिल है। यह एक अहम हथियार है, जिसने डिपो, पुलों और अन्य अहम ठिकानों पर हमला करने की यूक्रेन की क्षमता में सुधार किया है। इस सप्ताह कई यूरोपीय देशों ने यूक्रेन को सैन्य सहायता देने की घोषणा की है। ये घोषणाएं यूरोपीय देशों के इस भय को दर्शाती हैं कि रूस का अगला निशाना वे हो सकते हैं। एक वरिष्ठ रक्षा अधिकारी ने पेंटागन में पत्रकारों को बताया कि यूक्रेन को अतिरिक्त वायु रक्षा प्रणालियों की तत्काल आवश्यकता है।

पाकिस्तान दुनिया के सबसे खतरनाक देशों में से एक: बाइडेन

वाशिंगटन (एजेंसी)।

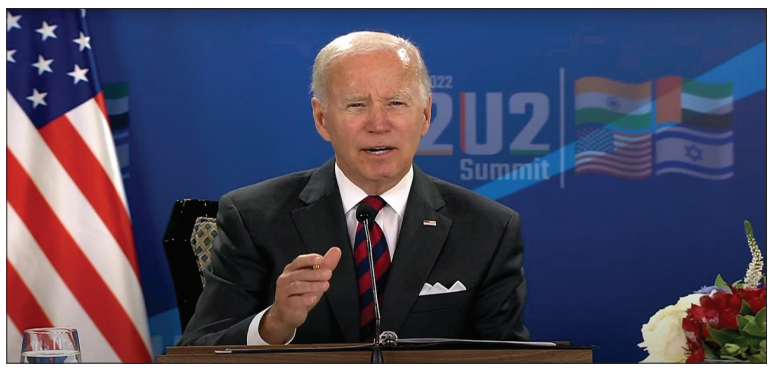

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पाकिस्तान को दुनिया के सबसे खतरनाक देशों में से एक बताते हुए कहा है कि उसके पास बिना किसी सुरक्षा के परमाणु हथियार हैं। उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की कांग्रेस अभियान समिति के समारोह में यह बात कही। बाइडेन ने कहा ,'' मुझे लगता है कि पाकिस्तान दुनिया के सबसे खतरनाक देशों में से एक है। उसके पास परमाणु हथियार हैं लेकिन बिना किसी सुरक्षा के हैं।'' अमेरिकी राष्ट्रपति ने सत्तारूढ दल के कार्यक्रम में यह बात विश्व की बदलती भू राजनैतिक स्थिति के संदर्भ में कही।

पश्चिमी देशों ने पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की सुरक्षा और संरक्षा को लेकरहमेशा चिंता जताई है। उनकी चिंता यह है कि पाकिस्तान के परमाणु हथियार आतंकवादियों या जिहादियों के हाथ में जा सकते हैं। ब्रूकिंग्स में विदेश नीति कार्यक्रम के एक अप्रवासी वरिष्ठ विशेषज्ञ मर्विन काल्ब ने पिछले साल लिखा था ,'' मई 1998 में पाकिस्तान ने पहला परमाणु परीक्षण किया और यह दावा किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये इसकी जरूरत थी। उसके बाद से अमेरिका के सभी राष्ट्रपतियों को यह भय रहा कि पाकिस्तान के परमाणु हथियार गलत हाथों में पड़ सकते हैं। इसमें अब यह डर भी शामिल है कि अफगानिस्तान में तालिबान की जीत के बाद पाकिस्तान में जिहादी सत्ता हासिल करने की कोशिश कर सकते हैं।''

अमेरिका के शीर्ष जनरल मार्क मिले ने चेताया था कि अफगानिस्तान से तेजी से सेना हटाने की वजह से पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। बाइडेन ने अपने भाषण में कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और सभी देश अपने सहयोगियों को लेकर पुनर्विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा ,'' और सच यह है कि दुनिया हमारी तरफ देख रही है। यह कोई मजाक नहीं है। हमारे दुश्मन भी हमारी तरफ देख रहे हैं कि हम क्या करते हैं।'' बाइडेन ने कहा ,'' क्या किसी ने कभी सोचा था कि ऐसे हालात होंगे कि चीन रूस , भारत और पाकिस्तान के संदर्भ में अपनी भूमिका की समीक्षा करने की कोशिश करेगा? लेकिन यह हो रहा है। दुनिया तेजी से बदल रही है।

पाकिस्तान ने अमेरिकी राजदूत को किया तलब, भारतीय परमाणु हथियारों पर भी उठाए सवाल

कराची (एजेंसी)।

विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि पाकिस्तान सरकार अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के देश की परमाणु क्षमता के बारे में बयान पर आधिकारिक सीमांकन के लिए अमेरिकी राजदूत डोनाल्ड ब्लोम को तलब करने के लिए तैयार है। समाचार सम्मेलन को संबोधित करते हुए बिलावल ने कहा कि हम उनके राजदूत को बुलाएंगे और एक सीमांकन जारी करेंगे। भुट्टो का बयान अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा डेमोक्रेटिक कांग्रेस अभियान समिति के स्वागत समारोह के बाद आया, जिसमें कहा गया था कि पाकिस्तान दुनिया के सबसे खतरनाक देशों में से एक है क्योंकि देश के पास बिना किसी सामंजस्य के परमाणु हथियार हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान पर पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने कहा कि अगर सवाल उठाने हैं तो उन्हें भारतीय परमाणु हथियारों पर उठाना चाहिए। पाकिस्तान अपनी अखंडता की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर लगाहुआ है। बता दें कि बाइडेन ने यह बयान डेमोक्रेटिक कांग्रेस की अभियान समिति के स्वागत समारोह में दिया था। मुझे लगता है कि शायद पाकिस्तानदुनिया के सबसे खतरनाक देशों में से एक है जहां बिना किसी सामंजस्य के परमाणु हथियार हैं। आज कराची में सम्मेलन को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री बिलावल ने कहा कि पाकिस्तान की परमाणु सुरक्षा का संबंध है, तो पाकिस्तान आईएईए (अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी) के अनुसार प्रत्येक अंतरराष्ट्रीय मानक को पूरा करती है। मैं राष्ट्रपति बिडेन की टिप्पणी से हैरान हूं। बिलावल ने कहा कि पाकिस्तान ने ÷दोनों देशों के संबंधों÷ को और मजबूत करने की शुरूआत की है और अमेरिका के साथ द्विपक्षीय संबंधों की 75 वीं वर्षगांठ को चिह्नित किया है।

जयशंकर दो दिवसीय यात्रा मिस्र यात्रा पर, विदेश नीति के प्रतिष्ठित विद्वानों से मुलाकात की

काहिरा (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मिस्र में विदेश नीति क्षेत्र के प्रतिष्ठित लोगों से मुलाकात की। उनकी इस दो दिवसीय यात्रा का उद्देश्य अहम अफ्रीकी देश के साथ भारत की साझेदारी में नयी पहलों को तलाशना है। जयशंकर मिस्र के अपने समकक्ष सामेह हसन शौकरी के निमंत्रण पर देश की यात्रा कर रहे हैं। विदेश मंत्री ने ट्वीट किया, ''काहिरा की मेरी यात्रा की बहुत अच्छी शुरुआत हुई। विदेश नीति क्षेत्र के प्रतिष्ठित लोगों से मुलाकात की। क्षेत्रीय एवं वैश्विक राजनीति में हमारे संबंधों और अंतर्दृष्टि के लिए उनके समर्थन के वास्ते आभार व्यक्त किया।''

विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बताया था कि मिस्र की यात्रा के दौरान जयशंकर और शौकरी आपसी हितों से जुड़े द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विस्तृत चर्चा कर सकते हैं। मंत्रालय ने कहा था कि मिस्र अफ्रीका में भारत का सबसे बड़ा कारोबारी सहयोगी है और इस यात्रा के दौरान द्विपक्षीय कारोबार, वाणिज्य और निवेश पर खास ध्यान दिया जाएगा। वित्त वर्ष 2021-22 में भारत-मिस्र द्विपक्षीय कारेबार रिकॉर्ड 7.26 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया था। वहीं, मिस्र में भारतीय निवेश 3.15 अरब डॉलर से अधिक हो गया है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि जयशंकर मिस्र में छात्रों सहित भारतीय समुदाय के लोगों के साथ चर्चा करेंगे और मिस्र-भारतीय कारोबारी समुदाय के सम्मेलन को संबोधित करेंगे। दोनों देश इस वर्ष अपने राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों को कैसे कम करे, इस पर रिसर्च करेगा अमेरिका

वाशिंगटन (एजेंसी)।

आज दुनिया के कई देशों के साथ अमेरिका भी ग्लोबल वार्मिंग को लेकर परेशान है। अमेरिका ने इसके प्रभावों को कम करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। व्हाइट हाउस ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों को कैसे कम करे, इस पर रिसर्च करेगा। इस शोध में पृथ्वी पर पहुंचने वाले सूर्य के प्रकाश की मात्रा को संशोधित करने के तरीकों का अध्ययन होगा। पांच साल की रिसर्च की योजना का व्हाइट हाउस समन्वय कर रहा है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसे कभी-कभी सौर जियोइंजीनियरिंग या सूर्य का प्रकाश परावर्तन कहा जाता है।

खबरों के मुताबिक रिसर्च योजना जलवायु हस्तक्षेपों का आकलन करेगी, जिसमें अंतरिक्ष में सूर्य के प्रकाश को प्रतिबिंबित करने के लिए समताप मंडल में एरोसोल का छिड़काव करना शामिल है। व्हाइट हाउस के साइंस एंड टेक्नोलॉजी नीति कार्यालय के अनुसार इस रिसर्च के लक्ष्य में वातावरण का विश्लेषण करने के लिए क्या आवश्यक है, और इस प्रकार के जलवायु हस्तक्षेपों का पृथ्वी पर क्या प्रभाव पड़ सकता शामिल है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने रिसर्च योजना पर मार्च में हस्ताक्षर किये थे। वहीं वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी के तापमान में संभावित विनाशकारी वृद्धि के खिलाफ इन जोखिमों को संतुलित करने के लिए शोध करना काफी जरुरी है। गौरतलब है कि किसी विषय पर शोध करने के लिए तैयार होना एक बहुत ही प्रारंभिक कदम है, लेकिन यह उल्लेखनीय है कि व्हाइट हाउस औपचारिक रूप से उस चीज से जुड़ रहा है जिसकी चपेट में आज विश्व का लगभग हर देश है। हार्वर्ड के प्रोफेसर डेविड कीथ ने पहली बार 1989 में इस विषय पर काम किया था। उन्होंने कहा कि अब इस और अधिक गंभीरता से लिया जा रहा है। वह पर्यावरण रक्षा कोष, चिंतित वैज्ञानिकों के संघ, प्राकृतिक संसाधन रक्षा परिषद से सूर्य के प्रकाश के प्रतिबिंब के शोध के लिए समर्थन के औपचारिक बयानों की ओर इशारा करते हैं, और एक नए समूह के निर्माण की सलाह देते हैं।

जलवायु परिवर्तन हममें से कुछ को दूसरों की तुलना में ज्यादा नुकसान पहुंचाता है

वाशिंगटन (एजेंसी)।

हमारे चारों ओर, जलवायु परिवर्तन मौजूदा कठिनाइयों को बढ़ा रहा है। ऑस्ट्रेलिया में, ऊर्जा और ईंधन की कीमतों में वृद्धि, और उत्तरी न्यू साउथ वेल्स में बाढ़ की प्रतिक्रिया के रूप में हमें कम आय वाले परिवारों को देखने की जरूरत है, जहां विकलांग लोगों की जरूरतों की अनदेखी की जाती है। ये ''जलवायु अन्याय'' के उदाहरण हैं। ऑस्ट्रेलिया में जलवायु परिवर्तन और सामाजिक न्याय पर हमारे शोध में, हमने बार-बार पाया है कि पहले से ही हाशिए पर रहने वाले लोग जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील हैं।

लेकिन महत्वपूर्ण रूप से, ये अक्सर सामाजिक आंदोलनों का नेतृत्व करने वाले समूह होते हैं जो मांग करते हैं कि वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए समानता और निष्पक्षता जलवायु कार्रवाई के केंद्र में हो। अफसोस की बात है कि जलवायु न्याय अभी भी वर्तमान जलवायु विचार-विमर्श के केंद्र में नहीं है, जैसा कि हाल ही में उत्सर्जन पर भारी प्रभाव के बावजूद नई कोयला और गैस परियोजनाओं को खारिज करने से लेबर पार्टी के इनकार में स्पष्ट होता है। इन जटिल अन्यायों के लिए परिवर्तनकारी नीतिगत प्रतिक्रियाओं की आवश्यकता होगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी पीछे न छूटे।

जलवायु परिवर्तन मौजूदा असमानताओं को बदतर बनाता है पिछले एक दशक में, हमने निचले तबके के समुदायों के साथ साझेदारी में, जलवायु न्याय के बारे में नारीवादी और भागीदारी अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन किया है। हमने पाया है कि जलवायु परिवर्तन के कानून मौजूदा उत्पीड़न और असमानता की व्यवस्था को मजबूत करते हैं। जो लोग पहले से ही हमारे समुदाय में हाशिए पर और वंचित समूह में आते हैं, वे मौसम की चरम सीमा पर बदतर स्थिति में हैं।

यदि आप निम्न गुणवत्ता वाले आवास में रह रहे हैं और बिलों का भुगतान करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, तो आपके पास गर्मी के समय अपने घर को ठंडा करने के लिए अतिरिक्त नकदी नहीं होगी। कई अन्य शोधकर्ता इसी तरह के निष्कर्ष पर पहुंचे हैं। हम जानते हैं कि जलवायु परिवर्तन पहले से ही कुछ मूल निवासियों और टोरेस स्ट्रेट आइलैंडर लोगों को अपनी पारंपरिक मातृभूमि छोड़ने के लिए मजबूर कर रहा है। हम यह भी जानते हैं कि चरम मौसम की घटनाओं के दौरान और बाद में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा बढ़ सकती है - जैसा कि 2009 में ब्लैक सैटरडे की भीषण आग के बाद हुआ था। आपदा बचाव में एलजीबीटीक्यूआईए+ लोगों के साथ भेदभाव किया जाता है। और कम आय वाले लोगों को असहनीय गर्मी या ठंड से निपटने के लिए जीवन यापन की बढ़ी हुई लागत का सामना करना पड़ता है। जब हम जलवायु कार्रवाई के बारे में सोचते हैं, तो हम सौर पैनलों, विद्युतीकृत परिवहन और पवन टर्बाइनों के बारे में सोचते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि जलवायु नीतियां प्रौद्योगिकी-आधारित साधनों पर ध्यान केंद्रित करती हैं।

उदाहरण के लिए, पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया की 2020 की जलवायु नीति में, ''हाइड्रोजन'' का उल्लेख 58 बार किया गया है, जबकि ''लोग'' शब्द का उपयोग केवल एक बार किया गया है। ''तकनीकी-सुधार'' पर इस तरह से जोर देना नुकसान और अन्याय की मूल प्रणाली की अनदेखी करते हुए जलवायु समाधान को बढ़ावा देता है। जीवन यापन कठिन होता जा रहा है ऑस्ट्रेलिया के दूरस्थ स्वदेशी समुदायों को पहले से ही देश में रहने में वास्तविक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि वैश्विक ताप तेज हो गया है। वार्डमैन वुमन एंड सेंट्रल लैंड काउंसिल के नीति निदेशक जोसी डगलस ने द गार्जियन को बताया, जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए कार्रवाई न की गई तो लोगों को अपना देश और वह सब कुछ छोड़ने पर मजबूर होना पड़ेगा, जो उन्हें यहां का मूल निवासी बनाता है। डब्ल्यूए की मूल निवासी स्वास्थ्य परिषद इन शब्दों में जलवायु परिवर्तन का वर्णन करती है = ''यह एक बीमारी है जो हर जीवित चीज़ को प्रभावित करती है''। जलवायु परिवर्तन मार सकता है 2019-20 के ब्लैक समर के दौरान, पूर्वी तट के ऊपर और नीचे के जंगलों ने सामान्य से बहुत अधिक भूमि को जलाया। आग से उठे घने धुएं के कारण अनुमानित 445 लोगों की मौत हो गई, बुशफायर आयोग को मिली सूचना के अनुसार। यह इस बात का सबसे बड़ा उदाहरण है कि कैसे जलवायु परिवर्तन स्वास्थ्य को खराब कर सकता है। दो साल पहले, पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया ने दुनिया की पहली सार्वजनिक जांच के निष्कर्ष जारी किए कि जलवायु परिवर्तन स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सलमान, कैटरीना की 'टाइगर 3'

दिवाली 2023 पर सिनेमाघरों में देगी दस्तक

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने शनिवार को घोषणा की कि उनकी 'टाइगर' ' फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त की रिलीज की नई तारीख आ गई है। फिल्म अब दिवाली 2023 पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। उसी की घोषणा करते हुए, सलमान ने ट्वीट किया, 'टाइगर की एक नई तारीख है.. दीवाली 2023 यह है! जश्न हैशटैग-टाइगर 3 को हैशटैग-वाईआरएफ50 के साथ केवल आपके पास के बड़े पर्दे पर। हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज। हैशटैग-कैटरीना कैफ हैशटैग-मनीष शर्मा।' उन्होंने फिल्म से अपनी एक झलक भी साझा की। फोटो में केवल अभिनेता की आंख और उनकी कलाई दिखाई दे रही थी क्योंकि उनका बाकी चेहरा दुपट्टे के पीछे छिपा हुआ था। मनीष शर्मा द्वारा निर्देशित 'टाइगर 3' में सलमान और कैटरीना कैफ नजर आएंगे। फिल्म में शाहरुख खान का एक कैमियो भी होगा, जो 'पठान' ' की अपनी भूमिका को फिर से निभाएंगे। एक्शन में कथित तौर पर इमरान हाशमी को प्रतिपक्षी के रूप में दिखाया गया है।

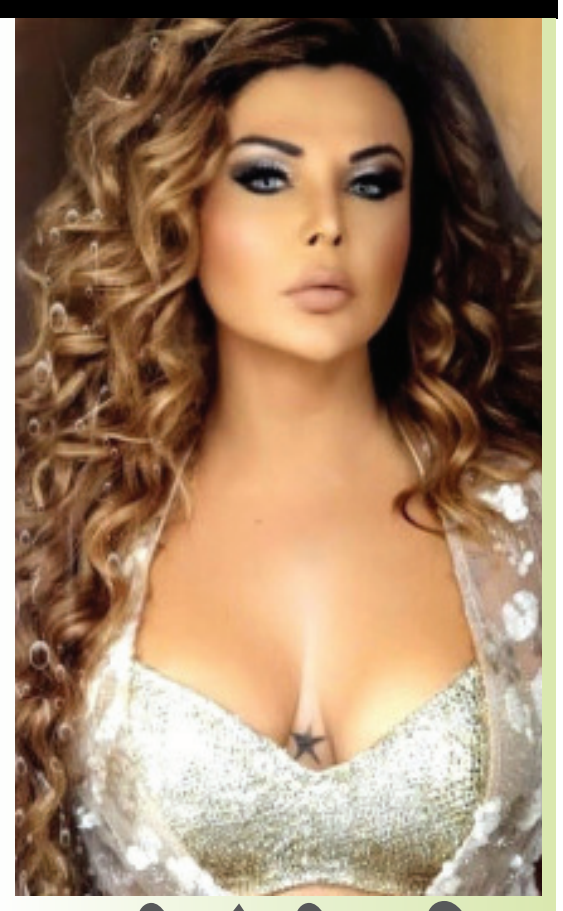

शहनाज गिल ने गाया इमरान हाशमी की फिल्म का गाना

बिग बॉस सीजन 13 शहनाज गिल एक बढ़िया अभिनेत्री होने के साथ-साथ कमाल की सिंगर भी है। अभिनेत्री अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी सिंगिंग वीडियो शेयर करती रहती हैं, जो हमेशा वायरल हो जाते हैं। अब एक बार फिर से शहनाज़ ने अपनी एक और सिंगिंग वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर की है। इस वीडियो में अभिनेत्री इमरान हाश्मी और विद्या बालन की फिल्म 'हमारी अधूरी कहानी' का गाना 'हंसी बन गए' जाती नजर आ रही हैं। शहनाज़ की आवाज लाजबाज है, जिसे सुनकर यकीनन आपके दिल को सुकून मिलेगा। अभिनेत्री का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है और वह खुद न्यूज़ की हैडलाइन में छायी हुई हैं। वहीं फैंस को अभिनेत्री का गाया गाना इतना पसंद आ रहा है कि वह कमेंट सेक्शन में उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। शहनाज गिल का गाना सुनने के लिए नीचे स्क्रॉल करें।

सारा अली खान और शुभमन गिल होटल से एक साथ निकले

क्या डेट कर रहे हैं सारा अली खान और शुभमन गिल? अगर अफवाहों पर विश्वास किया जाए तो जी हां दोनों एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों की गुपचुप होने वाली मुलाकातों के सबूत सोशल मीडिया पर समय-समय पर वायरल होते रहते हैं। डिनर डेट की तस्वीर वायरल होने के बाद अब एक और वीडियो सामने आयी हैं जहां आप देख सकते हैं कि सारा और शुभमन गिल एक दूसरे को क्रोस करते हुए निकल रहे हैं। देखा जा रहा है कि सारा और शुभमन एक होलट से बाहर अपना बेग लेकर निकल रहे हैं। वहीं वीडियो में आप देखेंगे कि सारा सीढियों पर अपना बेग छोड़कर पीछे वापस आती हैं और बिना कुछ बोले और कहे शुभमन गिल को क्रोस करती हैं। हालाँकि वीडियो में शुभमन का चेहरा नहीं देखा जा सकता है। अब तक सारा और शुमन ने अफवाहों की न तो पुष्टि की है और न ही खंडन किया है। वीडियो में सारा गुलाबी रंग के टैंक टॉप में होटल की लॉबी से बाहर आती दिख रही हैं। जैसे ही वह बाहर निकलती है, कैमरा दूसरे व्यक्ति की ओर जाता है। जबकि कोई व्यक्ति का चेहरा स्पष्ट रूप से नहीं देख सकता है, नेटिज़न्स को लगता है कि यह कोई और नहीं बल्कि भारतीय क्रिकेटर शुभमन गिल है। वहीं दूसरे वीडियो में सारा को प्लेन के अंदर फैन्स के साथ खुशी-खुशी सेल्फी लेते देखा जा सकता है। जैसे ही वह अपनी सीट पर लौटती है, उन्हें एक क्रिकेटर के साथ बैठे देखा जाता है। हालाँकि, कोई पुष्टि नहीं कर सकता क्योंकि चेहरा फिर से साफ दिखाई नहीं दे रहा है।

100 करोड़ का आंकड़ा छूने में नाकाम दिख रही विक्रम वेधा

अभिनेता ऋतिक रोशन और सैफ अली खान की हालिया रिलीज फिल्म विक्रम वेधा को सिनेमाघरों में लगे दो हफ्तों से ज्यादा का समय हो चुका है, लेकिन फिल्म 100 करोड़ के आसपास पहुंचने में भी नाकाम दिख रही है। पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत करने वाली विक्रम वेधा से उम्मीद थी कि फिल्म धीरे ही सही, लेकिन अपनी लागत निकाल लेगी। विक्रम वेधा को बॉक्स ऑफिस पर टिके हुए अब 14 दिन हो चुके हैं, लेकिन कलेक्शन देखकर लग नहीं रहा है कि फिल्म कुछ खास कमाल दिखा पाएगी क्योंकि शुक्रवार को कुछ नई फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जो बॉक्स ऑफिस पर मुकाबला और भी मुश्किल कर देगी। 30 सितंबर को रिलीज हुई विक्रम वेधा ने बॉक्स ऑफिस पर 10.58 करोड़ के साथ ओपनिंग की थी। इसके अलावा फिल्म वीकेंड का फायदा उठाने में भी सफल रही और कुछ ही दिनों में विक्रम वेधा का वर्ल्ड वाइड ग्रॉस कलेक्शन 100 करोड़ के पार हो गया, लेकिन घरेलू बिजनेस की बात करें, तब फिल्म अभी भी ये आंकड़ा छू पाने में असफल है।

कॉमेडियन अमित टंडन अभिनय की दुनिया में कदम रखने तैयार

स्टैंड-अप कॉमिक अमित टंडन अभियन करियर शुरू करने जा रहे हैं। हालांकि अभी तक प्रोजेक्ट के बारे में अधिक जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन यह एक ऐसा प्रोजेक्ट है जिसे वह खुद लिख रहे हैं और अगले साल की शुरूआत में इसकी शूटिंग शुरू होगी। सूत्रों का कहना है, टंडन के एक प्रोजेक्ट का हिस्सा होने की खबर है। वह खुद इस लिख रहे हैं, और चूंकि वह कॉमेडी करने और कहानी सुनाने में माहिर हैं, इसलिए टीम ने सोचा कि उन्हें कैमरे के सामने रखना अच्छा होगा। सब कुछ अपने शुरूआती चरण में है और अभी भी बातचीत के दौर में है लेकिन यह अगले साल की शुरूआत में शुरू हो जाएगा।'

राखी बोली साजिद सही या गलत कोर्ट को तय करने दो

बिग बॉस में साजिद खान के आने पर लगातार बवाल मचा हुआ है। अभिनेत्री कनिष्का सोनी ने भी साजिद को लेकर बड़ा खुलासा किया है। एक ओर जहां कई लोग साजिद खान के खिलाफ खड़े दिख रहे हैं। वहीं राखी सावंत उनके सपोर्ट में आ गई हैं। साजिद को सपोर्ट करते हुए राखी ने लोगों से एक बड़ी बात कही है। मीटू के आरोपों में नाम सामने के आने बाद साजिद इंडस्ट्री से नदारद से हो गए थे। वहीं अब वहां बिग बॉस में अपने करियर को नई उड़ान देने आए हैं। पर कई लोगों को साजिद की एंट्री रास नहीं आ रही। राखी कहती हैं, साजिद खान मेरा कोई नहीं लगता। पर इंसानियत के नाते, वहां बंदा आत्महत्या कर ले, उसके पहले उस भी जिंदगी जी लेने दो। वरना साजिद बंदा आत्महत्या कर लेगा। साजिद के बारे में बात करते हुए राखी की आंखें भर आती हैं। इस पर राखी ने कहा, 'साजिद सजा भुगत चुके हैं। चार साल तक उनके साथ किसी ने काम नहीं किया। साजिद को जीने दो। पता नहीं किसी ने उन पर सही इल्जाम लगाया है या झूठा। इसका फैसला कोर्ट को करने दो। राखी रोते-रोते यही कहती रहीं कि साजिद खान को जीने दो। सही और गलत का फैसला अदालत को ही करने दो।

सलमान से बोलीं शर्लिन क्या आप पीड़ित महिलाओं के भाईजान नहीं बन सकते?

कंट्रोवर्शियल शो बिग बॉस 16 में साजिद खान की एंट्री से हड़कंप मचा हुआ है। इस कड़ी में एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा ने सुपरस्टार सलमान खान से सवाल करते हुए साजिद खान की एंट्री का विरोध किया है। बता दें कि शर्लिन ने फिल्म निर्माता पर मी टू का आरोप लगाया था। शर्लिन ने कहा, बिग बॉस के निर्माताओं के इस कदम से जो मैसेज जा रहा है, वह यह है कि किसी महिला के साथ छेड़छाड़ करना, उसे गलत तरीके से छूना और अपने निजी अंगों को दिखाना ठीक है, क्योंकि आखिर में आप जनता की नजरों में दोषमुक्त हो जाएंगे, क्योंकि आपके पीछे बड़े कंटेंट निर्माता और चैनल हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे समझ में नहीं आता कि सलमान खान को क्या हुआ है। वह इतने बड़े स्टार के रूप में ऐसा कैसे होने दे सकते हैं। आप खुद को भाईजान कहते हैं, क्या आप हमारे जैसी महिलाओं के लिए भाईजान नहीं बन सकते। क्या आप हमारे जैसे बाहरी लोगों के नहीं बल्कि प्रभावशाली लोगों के भाईजान हैं? शर्लिन ने सलमान पर निशाना साधा, जो एक दशक से शो को होस्ट कर रहे हैं। एक्ट्रेस ने कहा, शो सलमान सर की वजह से चलता है, वो साजिद को घर में नहीं आने देने के लिए अपना विरोध दर्ज करा सकते थे, लेकिन घर के अंदर बैठे साजिद इस बात की ओर इशारा करते हैं कि उनको भी सलमान सर का सपोर्ट है। साजिद खान पिछले कुछ वर्षो में मी टू के तहत कई गंभीर आरोपों का सामना कर रहे हैं। शर्लिन ने फिल्म निर्माता पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। शर्लिन के अलावा, कई एक्ट्रेसेज और मॉडल्स ने आगे आकर फिल्म निर्माता फराह खान के छोटे भाई साजिद पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए।

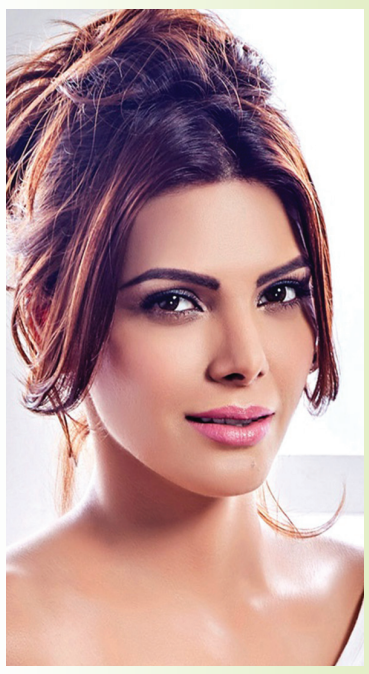

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

केरल नरबलि मामले में एनएचआरसी ने राज्य सरकार को नोटिस जारी घटना की रिपोर्ट तलब की

नई दिल्ली । केरल जैसे शिक्षित राज्य में हुई नरबलि की घटना को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर इस घटना के संबंध में उठाए गए कदमों पर रिपोर्ट तलब की है। आयोग ने कहा कि उसने मीडिया में आई इन खबरों का स्वत- संज्ञान लिया है कि एक तांत्रिक ने एक दंपती की आर्थिक तंगी दूर करने के लिए दो महिलाओं की कथित तौर पर नरबलि दे दी। दोनों महिलाओं के परिजनों ने पुलिस को उनके लापता होने की सूचना दी थी। आयोग ने कहा कि सभ्य समाज में ऐसी घटनाओं की उम्मीद नहीं की जा सकती है, जहां कानून के डर के बिना अनुष्ठान के नाम पर किसी मनुष्य की हत्या कर दी जाती है। आयोग ने कहा कि दोनों महिलाओं के जीवन के अधिकार का गंभीर उल्लंघन किया गया है। आयोग ने कहा, 'राज्य, अपने नागरिकों का संरक्षक होने के नाते, उनकी सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है और उन्हें इस तरह की कुप्रथाओं से बचाने के अपने दायित्व से इनकार नहीं कर सकता है।' आयोग ने केरल के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर इस मामले में चार सप्ताह में रिपोर्ट मांगी है, जिसमें जांच की स्थिति और मृतका के परिवारों को मुआवजा के संबंध में बताने को कहा गया है। मीडिया की खबरों के अनुसार, पुलिस को सूचना दी गई थी कि दोनों महिलाओं (मृतका) में से एक 6 जून को लापता हो गई थी, जबकि दूसरी महिला 26 सितंबर को लापता हुई थी।

केरल में हवाई अड्डे से 3.4 किलोग्राम सोना जब्त

नई दिल्ली। केरल में कालीकट अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दो यात्रियों के पास से कुल 3.4 किलोग्राम सोना जब्त किया गया है। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने शनिवार कोयह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, बरामद किए गए सोने की कीमत 1.7 करोड़ रुपये बताई जा रही है। डीआरआई के अधिकारियों के मुताबिक बरामद किया गया सोना पेस्ट (तरल) रूप में था। ये दोनों यात्री शुक्रवार को कतर की राजधानी दोहा से लौटे थे। अधिकारियों के अनुसार, यात्रियों ने सोने को अपने शरीर के भीतर छिपा कर रखा हुआ था। दोनों ही यात्री कासरगोड के रहने वाले हैं और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। डीआरआई की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, डीआरआई को एक खुफिया सूचना मिली थी कि ये यात्री सोने की तस्करी में शामिल हैं और हवाई अड्डे के माध्यम से सोने की तस्करी करने का प्रयास करेंगे। डीआरआई की इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए अधिकारियों ने हवाई अड्डे पर निगरानी बढ़ा दी और दोनों को पकड़ लिया। डीआरआई के बयान के मुताबिक, 11 अक्टूबर को भी इसी तरह की सोने की तस्करी का प्रयास किया गया था और 1.8 करोड़ रुपये मूल्य का 3.6 किलोग्राम सोना जब्त किया गया था।

महाराष्ट्र, आंध्र व तमिलनाडु में वर्षा जारी, गोवा में मंडोवी नदी का पुल टूटा, झरने में फंसे 40 पर्यटकों का बचाया

नई दिल्ली । उत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों से अब वर्षा का क्रम रुक गया है, लेकिन महाराष्ट्र तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में अब तक बारिश हो रही है। मुंबई में जहां एक ओर भारी बारिश की वजह से उड़ानें प्रभावित हो रही हैं, वहीं दूसरी ओर विजयवाड़ा में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। भारी बारिश की वजह से गोवा में मंडोवी नदी के ऊपर बने एक पुल के टूट जाने से 40 लोगों की जान आफत में आ गई थी, लेकिन बाद में उन्हें बचा लिया गया।

छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट (सीएसएमआई) ने एक बयान में कहा कि मुंबई में भारी बारिश और कम दृश्यता की वजह से शुक्रवार को शहर के हवाई अड्डे पर 8 उड़ानों को डायवर्ट किया गया। इतना ही नहीं, सीएसएमआईए ने सभी यात्रियों को अपनी संबंधित एयरलाइनों के साथ उड़ान की स्थिति की जांच करने की सलाह भी दी है। उल्लेखनीय है कि मुंबई और आसपास के कई इलाकों में शुक्रवार शाम से ही लगातार बारिश हो रही हैं।

इतना ही नहीं, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में भी लगातार बारिश हो रही है। शुक्रवार की रात में मुदैरै समेत तमिलनाडु के कई इलाकों में भारी बारिश हुई। वहीं, भारी बारिश के बीच आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में कृष्णा नदी में पानी बढ़ जाने के बाद प्रकाशम बैराज में बाढ़ की चेतावनी दी गई है। कृष्णा नदी में बाढ़ के बाद पानी बढ़कर 4.07 लाख क्यूसेक हो गया है। वहीं, गोवा में भी बारिश ने कोहराम मचा दिया है। दक्षिण गोवा में भारी बारिश से मंडोवी नदी का जलस्तर बढ़ने और उसके ऊपर बने एक पुल के बह जाने से दूधसागर झरने के पास फंसे कम से कम 40 पर्यटकों को राज्य सरकार द्वारा तैनात जीवनरक्षकों ने बचा लिया है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बचाव अभियान के लिए जीवनरक्षकों की सराहना की है।

टिकैत की मांग: किसानों की अधिग्रहित की जा रही जमीन का मुआवजा बढ़ाया जाए

नई दिल्ली। भारतीय किसान यूनियन के राकेश टिकैत नेशुक्रवार को नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण के खिलाफ अनिश्चितकालीन धरनेमें किसानों की अधिग्रहित की जा रही जमीन का मुआवजा बढ़ाए जाने की मांग की। टिकैत के धरना स्थल पर पहुंचने के बाद वहां बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया। पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों से धरनास्थल पर किसानों की काफी नोकझोंक हुई। टिकैत ने मांग की कि किसानों की अधिग्रहित की जा रही जमीन का मुआवजा बढ़ाया जाए। तीनों प्राधिकरणों नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण के अधिकारी किसानों से बातचीत करने के लिए कल पहुंचे, लेकिन वार्ता बेनतीजा रही। किसानों ने कहा कि जब तक जमीन का मुआवजा बढ़ाने सहित उनकी मांगों को पूरा नहीं किया जाता, तब तक धरना चलता रहेगा। तय कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन ने ग्रेटर नोएडा में जीरो प्वाइंट पर एक्सप्रेसवे के नीचे महापंचायत की। इसमें नोएडा, ग्रेटर नोएडा और जेवर के किसान शामिल हुए। महापंचायत के लिए सुबह किसान जब निकले तो रास्ते में जाम जैसी स्थिति बन गई। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि महापंचायत को लेकर पुलिस और जिला प्रशासन सतर्क है। सभी चौक चौराहों पर पुलिस तैनात रही। महापंचायत स्थल पर भी पुलिस के आला अधिकारी पहुंचे। फिलहाल स्थिति सामान्य है।

भाजपा के मुस्लिम चेहरे और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी अपना 65वां जन्मदिन मना रहे

नई दिल्ली । पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता मुख्तार अब्बास नकवी 16 अक्तूबर को अपना 65वां जन्मदिन मना रहे है। नकवी ने वर्ष 2022 में मोदी सरकार के मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया था। 15 अक्तूबर 1957 को इलाहाबाद के फूलपुर तहसील के भदारी गांव में जन्में नकवी भाजपा के दिग्गज नेताओं में शुमार हैं। ये उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं, एनडीए के दो अलग प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल के दौरान मंत्री बनाया गया। पहले ये अटल बिहारी सरकार और फिर मोदी सरकार पार्ट वन और पार्ट-2 दोनों में केंद्रीय मंत्री बनाए गए। वह भाजपा के अल्पसंख्यक समुदाय से आने वाले नेताओं में सबसे वरिष्ठ भी हैं। वह मजबूती से भाजपा का पक्ष रखते हैं।

नकवी ने आठवीं कक्षा तक की शिक्षा अपने गांव के पास बने परिषदीय विद्यालय मोहिउद्दीन पुर से हासिल की। इसके बाद प्रयागराज के सीएवी इंटर कालेज और यादगार हुसैनी इंटर कालेज से ही उनकी शिक्षा हुई। उच्च शिक्षा के लिए वहां बरेली गए। खास बात रही की छात्र रहते हुए ही उनका राजनीतिक पेशे में उनकी रुचि दिखनी शुरू हो गई थी। नकवी महज 17 साल की उम्र में छात्र नेता बन गए थे। देश में वर्ष 1975 के दौरान जब आपातकाल लागू किया गया था तब नकवी भी जेल गए थे। नकवी समाजवादी नेता राजनारायण के खास थे, मगर समय बीतने के साथ उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया था।

नकवी ने पार्टी के निर्देश पर वर्ष 1998 में रामपुर से लोकसभा का चुनाव लड़कर जीत हासिल की। पहली बार किसी मुस्लिम चेहरे ने भाजपा की तरफ से संसद में प्रवेश किया था। नकवी की काबिलियत को देखकर अटल बिहारी बाजपेयी की सरकार में उन्हें सूचना और प्रसारण राज्यमंत्री का पद मिला। वर्ष 2010 से 2016 तक राज्यसभा सदस्य रहे। भाजपा ने वर्ष 2016 में उन्हें झारखंड से राज्यसभा भेजा। नकवी को 26 मई 2014 को मोदी सरकार में अल्पसंख्यक और संसदीय मामलों का राज्यमंत्री बनाया गया। यही नहीं, उन्हें 26 जुलाई 2016 को नजमा हेपतुल्ला के इस्तीफे के बाद अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार मिला। 30 मई 2019 को नकवी को मोदी मंत्रिमंडल के दूसरे कार्यकाल का हिस्सा बनें और उन्हें अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय सौंपा गया। बता दें कि वहां संसदीय कमेटी के सदस्य रहे और कई संसदीय कमेटी के दल को विदेश भी लेकर गए हैं। बता दें कि नकवी ने वर्ष 1983 में सीमा के साथ लव मैरिज की थी। जानकारी के मुताबिक दोनों की मुलाकात इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान हुई और दोनों एक दूसरे को पसंद करने लगे। दोनों की लवस्टोरी आसान नहीं थी, क्योंकि सीमा के परिवार को ये रिश्ता मंजूर नहीं था।

'भारत जोड़ो यात्रा को मिल रहा जनता का समर्थन', राहुल गांधी बोले- देश को कमजोर कर रही बीजेपी की विचारधारा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस के भारत जोड़ो यात्रा के आज 1000 किलोमीटर पूरे हो गए। लगभग डेढ़ सौ दिनों तक चलने वाली इस यात्रा में 3570 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। इन सबके बीच कर्नाटक के बेल्लारी में कांग्रेस की यह भारत जोड़ो यात्रा पहुंची है। इस दौरान राहुल गांधी ने भाजपा पर अपने संबोधन में जबरदस्त तरीके से प्रहार किया। राहुल ने कहा कि जब यह यात्रा कन्याकुमारी से शुरू हुई थी तो काफी काफी मुश्किल लग रही थी। लेकिन लेकिन चलने के साथ ही यह आसान लगने लगा। राहुल ने दावा किया कि भारत जोड़ो यात्रा को जनता से भरपूर समर्थन भी मिल रहा है। इसके साथ ही उन्होंने मोदी सरकार पर भी निशाना साधा।

राहुल ने आरोप लगाया कि भाजपा की विचारधारा देश को कमजोर कर रही है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि बीजेपी और आरएसएस की विचारधारा नफरत की है। वो दोनों देश के खिलाफ काम कर रहे हैं। उन्होंने आरएसएस-भाजपा पर देश को बांटने का भी आरोप लगा दिया। उन्होंने कहा कि अलग-अलग धर्म के लोग यात्रा से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस विचारधारा को लेकर यह यात्रा शुरू की गई है, वह सिर्फ यात्रा की विचारधारा नहीं बल्कि कर्नाटक की सोच है, यह हिंदुस्तान की सोच है, भारत का इतिहास है। उन्होंने कहा कि शुरुआत में हमने सोचा था कि 3500 कि.मी. पैदल चलना आसान नहीं है। मगर जब हमने चलना शुरू किया, कुछ दिन बाद चलना काफी आसान लगने लगा। ऐसा लग रहा था, जैसे कोई शक्ति पीछे से यात्रा को आगे की ओर धकेल रही।

वहीं, कांग्रेस ने ट्वीट कर कहा कि 4 राज्य, सैकड़ों किलोमीटर, लाखों लोग और सफर निरंतर जारी है। भारत जुड़ रहा है- नफरत, बेरोजगारी, महंगाई के विरुद्ध। राहुल ने कहा कि आज भारत में 45 साल में अब तक की सबसे ज्यादा बेरोजगारी है। पीएम ने कहा था कि वह हर साल 2 करोड़ युवाओं को रोजगार देंगे। तो वो नौकरियां कहां है?उन्होंने कहा कि कुछ दिनों से, हम भारत जोड़ो यात्रा में कन्याकुमारी से कश्मीर जा रहे हैं। ये सफर 3500 कि.मी. का है, इसकी शुरुआत कन्याकुमारी से की, उसके बाद केरल और अभी हम कर्नाटक में हैं। इस दौरान अशोक गहलोत ने कहा कि जिस प्रकार ये लोग पूरे देश में तनाव, हिंसा, सांप्रदायिकता का माहौल बना रहे हैं ये देश बर्दाश्त नहीं करेगा। राहुल गांधी का संदेश है कि आपस में भाईचारा हो, सभी राज्यों, वर्गों और धर्मों में प्यार मोहब्बत की राजनीति हो। सद्भावना का माहौल बने।

विश्व के सबसे विशाल यात्री विमान एयरबस ए380 की बेंगलुरु एयर पोर्ट पर हुई लैंडिंग

बेंगलुरु (एजेंसी)।

अमीरात द्वारा संचालित दुनिया की सबसे बड़ी यात्री प्लेन एयरबस ए380 शनिवार को बेंगलुरु के केम्पे गौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लैंडिंग हुई। इस तरह बेंगलुरु देश का पहला दक्षिणी शहर बन गया, जहां दुनिया के सबसे बड़े यात्री विमान की सेवाएं शुरू की गईं। सहकारिता मंत्री एसटी सोमशेखर और बेंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट (बीआईएएल) के प्रबंध निदेशक और सीईओ हरि मरार ने इस पल को ऐतिहासिक बताया और कर्नाटक सरकार में विश्वास जताने के लिए अमीरात को धन्यवाद दिया।

बीआईएएल के मुख्य रणनीति और विकास अधिकारी सत्यकी रघुनाथ ने कहा कि बेंगलुरु दक्षिण भारत का पहला शहर बन गया है, जहां अमीरात की प्रमुख ए380 सेवाएं उपलब्ध हैं। रघुनाथ ने कहा कि विमान का आगमन बेंगलुरु हवाईअड्डे पर परिचालन क्षमता और यात्रियों की बढ़ती मांग को दर्शाता है। नई ए380 सेवा दुबई-बेंगलुरु रुट पर बेहतर अनुभव देगी। यह न केवल यात्रा को सुखद बनाएगी, बल्कि दोनों देशों के बीच यातायात को प्रोत्साहित करने में भी मदद करेगी। अमीरात के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी अदनान काजिम ने कहा, हम बेंगलुरु और कर्नाटक राज्य के साथ विशेष संबंध साझा करते हैं, यह पारस्परिक विकास और समृद्धि में से एक है।

उन्होंने आगे कहा, 'हमें दक्षिण भारत में यात्रियों के लिए इस महत्वपूर्ण प्रवेशद्वार के लिए ए 380 सेवाओं को पेश करने की खुशी है। आज की उड़ान उस मजबूत संबंधों का प्रमाण है, जिसे हम शहर के साथ साझा करते हैं और हम यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए सभी केबिनों में प्रमुख अनुभव प्रदान करने के लिए तत्पर हैं।' एमिरेट्स की फ्लाइट ईके562 ने शुक्रवार दुबई एयरपोर्ट से सुबह 10 बजे उड़ान भरी। विमान 3 घंटे 52 मिनट के कुल यात्रा समय के बाद 1,701 मील की दूरी तय करने के बाद बेंगलुरु हवाईअड्डे पर उतरा।

हम 3 शादियां करते हैं और प्रत्येक को सम्मान देते हैं, लेकिन हिंदू...,

एआईएमआईएम यूपी अध्यक्ष के बिगड़े बोल

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने राज्य में एक सभा को संबोधित करते हुए हिंदू विवाह पर एक विवादास्पद टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि लोग कहते हैं कि हमने तीन शादियां की हैं। दो शादियां होने पर भी हम समाज में दोनों पत्नियों को सम्मान देते हैं, लेकिन आप (हिंदू) एक से शादी करते हैं और आपकी तीन रखैलें होती हैं और आप न तो अपनी पत्नी का सम्मान करते हैं और न ही रखैलों का। लेकिन अगर हमारी दो शादियां होती हैं, तो हम उन्हें सम्मान के साथ रखते हैं और हमारे बच्चों के नाम भी राशन कार्ड में होते हैं। यूपी एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष ने हिजाब प्रतिबंध मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बारे में भी बात की और कहा कि ÷हिंदुत्व यह तय नहीं करेगा कि देश में कौन क्या पहनेगा, बल्कि ये संविधान तय करेगा। शौकत अली ने कहा कि संविधान तय करेगा कि देश में कौन क्या पहनेगा और हिंदुत्व नहीं, लेकिन बीजेपी ऐसे मुद्दों को उठाकर देश को तोड़ने का काम कर रही है। ओवैसी की पार्टी के नेता ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि मुसलमानों को निशाना बनाया गया। मदरसा, लिंचिंग, वक्फ और हिजाब जैसे मुद्दे हमारे साथ हो रहे हैं क्योंकि हमें निशाना बनाना आसान है। जब भाजपा कमजोर होती है तो वे मुस्लिम के मुद्दों को उठाते हैं। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट की दो-न्यायाधीशों की पीठ ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए 20 अक्टूबर को एक विभाजित निर्णय दिया, जिसमें राज्य में शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पर प्रतिबंध को खत्म करने से इनकार कर दिया गया था। लेकिन शीर्ष अदालत ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले पर कोई रोक नहीं लगाई है। मामले को अब भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) यूयू ललित को एक नई पीठ गठित करने के लिए भेजा गया है। नई बेंच में सीजेआई के विवेक के अनुसार तीन या अधिक जज होंगे।

केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा- राहुल गांधी कभी नरेंद्र मोदी के कद के नहीं हो सकते

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने शुक्रवार को कहा कि राहुल गांधी कभी भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कद को नहीं पा सकते। करंदलाजे ने उडुपी में पत्रकारों सेकहा कि राहुल गांधी द्वारा शुरू की गई 'भारत जोड़ो यात्रा' केवल उनकी शारीरिक 'तंदुरूस्ती' को दर्शाती है। उन्होंने कहा, ''क्या वह देश का नेतृत्व कर सकते हैं? राहुल का नरेंद्र मोदी के बराबर आने का सपना कभी साकार नहीं होगा।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत के लोग यह तय करेंगे कि राहुल गांधी देश पर शासन करने के लिए मानसिक रूप से फिट हैं या नहीं। कर्नाटक में हिजाब प्रतिबंध पर उच्चतम न्यायालय द्वारा एक खंडित फैसला सुनाये जाने पर उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को संविधान पीठ को सौंपे जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम लड़कियों को हिजाब के मुद्दे पर गंभीरता से सोचना चाहिए और अपनी आजादी के लिए संघर्ष करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिजाब मुस्लिम लड़कियों पर पुरुषों द्वारा थोपा जा रहा है। उन्होंने मुस्लिम लड़कियों से कहा कि उन्हें पुरुष के अनुसार नहीं चलना चाहिए। बेलथांगडी विधायक हरीश पूंजा पर बृहस्पतिवार को उनकी कार का पीछा करके तलवारें लहराने की घटना की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि पीएफआई समर्थक संगठन पर प्रतिबंध के बाद हताश हैं।

प्रयागराज में आरएसएस के अखिल भारतीय कार्यकारी मंडलकी बैठक में मोहन भागवत होगें शामिल

प्रयागराज (एजेंसी)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की रविवार से शुरू हो रही चार दिवसीय बैठक में संघ प्रमुख मोहन भागवत के विजय दशमी के संबोधन में शामिल विषयों पर चर्चा होगी। शहर से करीब 20 किलोमीटर दूर यमुनापार गौहनिया में बैठक स्थल पर संवाददाताओं को इसकी जानकारी देते हुए संगठन के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बताया कि इस बैठक में संघ प्रमुख मोहन भागवत भी उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि संघ प्रमुख ने अपने उद्बोधन में मातृमें शिक्षा, जनसंख्या में असंतुलन, महिला सहभाग और समाज के सभी वर्गों से संवाद का उल्लेख किया था। उन्होंने सामाजिक समरसता के संदर्भ में पूरे समाज को कैसे सामने आना चाहिए, इस पर चर्चा की थी। आंबेकर ने बताया कि प्रति वर्ष मार्च में होने वाली प्रतिनिधि सभा की बैठक में बनाई गई योजनाओं की समीक्षा भी इस अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक होगी। उन्होंने कहा, ''संघ 2025 में अपना शताब्दी वर्ष मनाएगा। देश में 55,000 स्थानों पर संघ का कार्य चल रहा है जिसे मार्च, 2024 तक एक लाख स्थानों पर संघ के कार्य को पहुंचाने का लक्ष्य है।'' आंबेकर ने बताया कि इस बैठक में सभी 45 प्रांतों के प्रांतीय संघचालक, इन प्रांतों के प्रांत कार्यवाह, प्रांत सह-कार्यवाह, प्रांत प्रचारक और सह प्रचारक हिस्सा ले रहे हैं।

बिहार सीएम नीतिश कुमार ने फिर ली प्रतिज्ञा, जिंदगी में कभी भी भाजपा के साथ नहीं जाऊंगा

पटना (एजेंसी)।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर से भाजपा को लेकर प्रतिज्ञा ले ली है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि अब जीवन में कभी भी भाजपा के साथ गठबंधन नहीं करेंगे। दरअसल, नीतीश कुमार शुक्रवार को समस्तीपुर दौरे पर थे जहां उन्होंने इंजीनियरिंग कॉलेज का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मैं बिहार की प्रगति के लिए काम करूंगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मैं अपने पूरे जीवन भर में भाजपा के साथ नहीं जाऊंगा। उन्होंने कहा कि बिहार देश की प्रगति के लिए समाजवादियों के साथ काम करेंगे। हालांकि इससे पहले भी जब वह 2013 में भाजपा से अलग हुए थे तभी उन्होंने ठीक इसी तरह की प्रतिज्ञा ली थी।

अपने पुराने सहयोगी पर हमला करते हुए नीतीश कुमार ने साफ तौर पर कहा कि पहले भाजपा के पास लोगों के विकास को लेकर विजन था। लेकिन अब वे सिर्फ बात करते हैं। बीजेपी के लोग अनाप-शनाप बोलते रहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मैं महागठबंधन को छोड़कर भाजपा के साथ चला गया था। लेकिन अब हम महागठबंधन में लौट आए हैं। बीजेपी पर नीतीश कुमार ने झगड़ा लगाने का भी आरोप लगा दिया। नीतीश कुमार ने साफ तौर पर कहा कि भाजपा समाज में झगड़ा लगाने का काम करती है। देश के विकास से उसका कोई लेना-देना नहीं है। इससे पहले 2013 में भी भाजपा से अलग होने के बाद नीतीश कुमार ने कहा था कि अब वह मिट्टी में मिल जाएंगे लेकिन भाजपा के साथ नहीं जाएंगे। लेकिन 2017 में दोबारा में भाजपा के साथ गठबंधन में गए।

नीतीश कुमार ने भाजपा के नेतृत्व पर अहंकारी होने का आरोप लगाया और अटल बिहारी वाजपेयी, लाल कृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी के युग को याद किया। भाजपा का नाम लिए बिना उन्होंने कहा, ''उन्होंने लालू जी के खिलाफ मामला दर्ज कराया, जिसके कारण मैंने उनसे अपने संबंध तोड़ लिए। इसका कुछ परिणाम नहीं आया। और अब जब हम फिर साथ हैं तो वे नए मामले दर्ज कर रहे हैं। आप इन लोगों के कामकाज की शैली को समझ सकते हैं।'' पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद का नाम कुछ साल पहले आईआरसीटीसी के होटल घोटाले में आया था जिसमें उनके बेटे तेजस्वी यादव को भी आरोपी बनाया गया था जो उस समय उपमुख्यमंत्री के रूप में अपना पहला कार्यकाल निभा रहे थे। इन घटनाओं के बाद अपनी छवि को ध्यान में रखते हुए नीतीया कुमार ने महागठबंधन से नाता तोड़कर राजग से हाथ मिला लिया था।

वैश्विक भूख सूचकांक में भारत की स्थिति और खराब 107वें पायदान पर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वैश्विक भूख सूचकांक 2022 में भारत की स्थिति और खराब हुई है तथा वह 121 देशों में 107वें नंबर पर है जबकि बच्चों में 'चाइल्ड वेस्टिंग रेट' (ऊंचाई के हिसाब से कम वजन) 19.3 प्रतिशत है जो दुनिया के किसी भी देश से सबसे अधिक है। पड़ोसी देश पाकिस्तान (99), बांग्लादेश (84), नेपाल (81) और श्रीलंका (64) भारत के मुकाबले कहीं अच्छी स्थिति में हैं। एशिया में केवल अफगानिस्तान ही भारत से पीछे है और वह 109वें स्थान पर है।

वैश्विक भूख सूचकांक (जीएचआई)के जरिए वैश्विक, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तरों पर भूख पर नजर रखी जाती है और उसकी गणना की जाती है। 29.1 अंकों के साथ भारत में भूख का स्तर ''गंभीर'' है। भारत 2021 में 116 देशों में 101वें नंबर पर था जबकि 2020 में वह 94वें पायदान पर था। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया में सबसे अधिक भूख के स्तर वाले क्षेत्र, दक्षिण एशिया में बच्चों में नाटापन की दर (चाइल्ड स्टंटिंग रेट) सबसे अधिक है। इसमें कहा गया है, ''भारत में 'चाइल्ड वेस्टिंग रेट' 19.3 प्रतिशत है जो दुनिया के किसी भी देश में सबसे अधिक है और भारत की बड़ी आबादी के कारण यह इस क्षेत्र के औसत को बढ़ाता है।''

भारत, पाकिस्तान और अफगानिस्तान में बच्चों में नाटापन की दर (चाइल्ड स्टंटिंग रेट) 35 से 38 फीसदी के बीच है और क्षेत्र में अफगानिस्तान में यह दर सबसे अधिक है। भारत में अल्पपोषण की व्यापकता 2018-2020 में 14.6 प्रतिशत से बढ़कर 2019-2021 में 16.3 हो गयी है। इसका मतलब है कि दुनियाभर के कुल 82.8 करोड़ में से भारत में 22.43 करोड़ की आबादी अल्पपोषित है। पांच साल की आयु तक के बच्चों में मृत्यु दर के सबसे बड़े संकेतक 'चाइल्ड वेस्टिंग' की स्थिति भी बदतर हुई है। 2012-16 में 15.1 प्रतिशत से बढ़कर 2017-21 में यह 19.3 प्रतिशत हो गया है। जीएचआई ने कहा, ''अनुसंधानकर्ताओं ने चार भारतीय राज्यों छत्तीसगढ़, गुजरात, ओडिशा और तमिलनाडु में 2006 से 2016 के बीच नाटेपन की स्थिति में गिरावट के लिए जिम्मेदार कारकों की पड़ताल की।''

रिपोर्ट में कहा गया है कि अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि स्वास्थ्य एवं पोषण की स्थिति, घरेलू स्थिति (जैसे कि सामाजिक-आर्थिक स्थिति एवं खाद्य सुरक्षा) और मातृत्व कारक (जैसे कि माताओं का स्वास्थ्य और शिक्षा) में सुधार आने के कारण नाटेपन की दर में गिरावट आयी। जीएचआई ने कहा कि दुनिया संघर्ष, जलवायु संकट और यूक्रेन में युद्ध के साथ ही कोविड-19 महामारी के आर्थिक परिणामों के साथ भूख को खत्म करने के प्रयासों में गंभीर चुनौती का सामना कर रही है। रिपोर्ट में आगाह किया गया है कि वैश्विक संकट के बढ़ने पर हालात और बिगड़ सकते हैं। इसमें कहा गया है, ''संभावित समाधान और आवश्यक निवेश का पैमाना ज्ञात और परिमाणित है।

इसके बजाय, समस्या नीति के क्रियान्वयन में है और दुनिया में राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी है।'' भूख सूचकांक में भारत की स्थिति को लेकर सामाजिक कार्यकर्ताओं और नेताओं ने सरकार पर निशाना साधा है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता

सीताराम येचुरी ने कहा कि सरकार को 8.5 वर्ष में भारत को अंधकार के इस युग में लाने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने ट्वीट किया, ''2014 के बाद से वैश्विक भूख सूचकांक में भारत की खतरनाक, तेज गिरावट। मोदी सरकार भारत के लिए विनाशकारी है।'बफर स्टाक' से ऊपर बेहद कम खाद्य भंडार की वजह से महंगाई बढ़ रही है। 8.5 वर्ष में भारत को अंधकार के इस युग में लाने की जिम्मेदारी सरकार को लेनी चाहिए।''

कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने कहा, ''माननीय प्रधानमंत्री बच्चों में कुपोषण, भूख, नाटेपन और 'चाइल्ड वेस्टिंग रेट' जैसे वास्तविक मुद्दों से कब निपटेंगे? भारत में 22.4 करोड़ लोगों को अल्पपोषित माना जा रहा है।'' उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, ''2014 के बाद से मोदी सरकार के आठ वर्ष में हमारा 'स्कोर' खराब हुआ है, 16.3 प्रतिशत भारतीय अल्पपोषित हैं जिसका मतलब है कि उन्हें पर्याप्त भोजन नहीं मिलता है। हिंदुत्व, हिंदी थोपना और नफरत फैलाना भूख मिटाने की दवा नहीं है।